संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -216 गुरूवार,08 जून 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संजीव माहेश्वरी की कोर्ट में गोली मारकर हत्या

हमलावर वकील के भेष में कोर्ट पहुंचे थे,जिन्होंने फायरिंग कर संजीव महेश्वरी ऊर्फ जीवा की हत्या कर दी

» **संजीव माहेश्वरी जीवा बीजेपी विधायक ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या के मामले में सह-आरोपी था**

प्रयागराज,07 जून 2023 (ए)।माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या 15 अप्रैल की रात प्रयागराज में पुलिस कस्टडी के बीच की गई थी। जिसके बाद अब खुलेआम हथियार से लैस बदमाश ने लखनऊ सिविल कोर्ट के अंदर पश्चिम यूपी के बड़े बदमाश संजीव जीवा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावर वकील के भेष में कोर्ट पहुंचा था। गैंगस्टर संजीव जीवा बीजेपी नेता ब्रह्म दत्त द्विवेदी की हत्या का आरोपी था और उसे सुनवाई के लिए कोर्ट में लाया गया था। गोली लगने से जीवा मौके पर ही गिर पड़ा, जबकि एक पुलिस अधिकारी भी फायरिंग में घायल हुआ है।

कौन था संजीव जीवा ?

संजीव माहेश्वरी, जिसे अपराध की दुनिया में संजीव जीवा के नाम से भी जाना जाता था, मुजफ्फरनगर का कुख्यात गैंगस्टर था। शुरुआती दिनों में वो एक डिस्पेंसरी में कंपाउंडर का काम किया था, लेकिन बाद में उसी डिस्पेंसरी के मालिक का उसने अपहरण कर लिया गया था।

गिरोह में था शामिल,खुद की बनाना चाहता था गैंग

इस घटना के बाद 1990 के दशक में उसने कोलकाता के एक कारोबारी के बेटे का अपहरण किया और फिरौती में दो करोड़ की मांग थी। इसके बाद वह हरिद्वार नाजिम गिरोह में शामिल हो गया और बाद में सतेंद्र बरनाला से उसकी दोस्ती हो गई। लेकिन उसके अंदर खुद की गैंग बनाने की ख्वाहिश थी।

मुख्तार,मुन्ना बजरंगी और भाटी गैंग के लिए करता था काम

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के करीबी सहयोगी संजीव माहेश्वरी जीवा बीजेपी विधायक ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या के मामले में सह-आरोपी था, जिसमें मुख्तार अंसारी भी एक आरोपी है। उसे मुन्ना बजरंगी का करीबी भी कहा जाता था। जीवा मुख्तार अंसारी, मुन्ना बजरंगी के अलावा भाटी गैंग के लिए काम करता था। उसके खिलाफ तीन दर्जन के करीब मामले दर्ज बताए जाते हैं।

लखनऊ जेल में बंद जीवा वहीं से अपनी गैंग ऑपरेट करता था। उस पर 2017 में कारोबारी अमित दीक्षित उर्फ गोल्डी हत्याकांड में शामिल होने का भी आरोप लगा। इस केस में जीवा को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

बृजभूषण के खिलाफ 15 जून तक पूरी होगी जांच

» **डब्ल्यूएफआई चुनाव 30 जून तकः अनुराग ठाकुर**

नईदिल्ली,07 जून 2023 (ए)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ करीब एक महीने से आंदोलनरत पहलवानों की बुधवार को खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बैठक चली। करीब 6 घंटे तक चली बैठक के बाद पहलवानों ने फैसला किया कि अब 15 जून तक आंदोलन स्थगित रहेगा। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि (विरोध कर रहे) पहलवानों से काफी सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने मांग की है कि जांच (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोपों पर) पूरी की जाए और 15 जून तक चार्जशीट दायर की जाए।

साथ ही पहलवानों ने अनुरोध किया कि 3 कार्यकाल पूरा कर चुके बृजभूषण सिंह और उनके सहयोगियों को दोबारा नहीं चुना जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि पहलवानों के खिलाफ सभी एफआईआर वापस ली जाए। कुश्ती महासंघ की एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता एक महिला करेगी। अनुराग ठाकुर ऐलान किया कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव 30 जून तक होंगे।

बृजभूषण की गिरफ्तारी से कम कुछ भी मंजूर नहीं,अनुराग ठाकुर के घर पहलवानों की बैठक जारी

कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पहलवानों में शामिल बजरंग पूनिया खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के घर पहुंचे हैं। उनके साथ किसान नेता राकेश टिकैत भी हैं। यही नहीं साक्षी मलिक भी खेल मंत्री के घर पर मुलाकात के लिए पहुंची हैं। हालांकि, इस मुलाकात से पहले पहलवानों ने साफ कर दिया है कि उन्हें बीजेपी सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी से कम कुछ भी मंजूर नहीं है।

दरअसल, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों को बातचीत के लिए बुलाया था। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर बताया था, मैंने एक बार फिर पहलवानों को इसके लिए आमंत्रित किया है। इससे पहले 3 जून यानी शनिवार की रात पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

इसके बाद 5 जून को बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट रेलवे में अपनी अपनी नौकरी पर वापस लौट गए थे। हालांकि, पहलवानों ने साफ कर दिया था कि जब तक महिला पहलवानों को न्याय नहीं मिलता, वे आंदोलन जारी रखेंगे।

शुभेंदु अधिकारी ने मुआवजा बांटने के समय पर सवाल उठाए

मामला ओडिशा ट्रेन हादसे का

कोलकाता,07 जून 2023 (ए)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य के उन लोगों के परिवार के सदस्यों को मुआवजे के चेक के वितरण के समय पर सवाल उठाया, जो ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना में मारे गए। मुख्यमंत्री बुधवार को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में मुआवजे के चेक बांटने वाली हैं।

मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के बमुश्किल पांच दिन बाद मुआवजे के चेक लेने के लिए पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को बुलाना मुख्यमंत्री का अमानवीय दृष्टिकोण है।

अधिकारी ने कहा, परिवार के अधिकांश सदस्य अभी भी आघात से उबर नहीं पाए हैं। लेकिन मुख्यमंत्री सुर्खियों में आने के लिए एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से मुआवजा वितरण की व्यवस्था कर रही हैं। यह शर्मनाक है कि उन्हें मुआवजा चेक स्वीकार करने के लिए कोलकाता आने के लिए कहा गया है, जहां मुख्यमंत्री भाषण देंगी।

इस बीच, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक कथित वीडियो साझा किया है, जिसमें पीड़ितों के परिवार के कुछ सदस्य 2,000 रुपये के नोटों में मुआवजे की पेशकश करते दिख रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल कैबिनेट के एक सदस्य ने 2 लाख रुपये का मुआवजा वितरित किया है। मैं इस कदम का दिल से स्वागत करता हूं। लेकिन 2,000 रुपये के नोटों के स्त्रोत पर सवाल बना हुआ है।

न्यायिक अधिकारियों के ड्रेस कोड पर दिल्ली हाईकोर्ट का नया सर्कुलर

नई दिल्ली,07 जून 2023 (ए)। दिल्ली हाई कोर्ट ने जिला अदालतों में न्यायिक अधिकारियों और वकीलों के लिए ड्रेस कोड के नियम में संशोधन किया है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि पीठासीन अधिकारी की पोशाक उपयुक्त होनी चाहिए और उनके पद की गरिमा के बराबर होनी चाहिए।

अदालत ने कहा कि शॉर्ट्स और कम बाजू के कपड़े पीठासीन अधिकारियों के लिए ठीक नहीं हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के एक प्रस्ताव में कहा गया है कि पुरुष न्यायिक अधिकारियों को सफेद शर्ट, सफेद बैंड, एक काला कोट और ग्रे या सफेद पतलून पहननी चाहिए।

महिला न्यायिक अधिकारियों के लिए सफेद या काले रंग का ब्लाउज/शर्ट (पूरी या आधी बाजू वाली), सफेद या काले रंग की साड़ी या सफेद, काले या भूरे रंग की पैंट/सलवार कमीज/लंबी स्कर्ट होनी चाहिए।

सर्कुलर में यह भी उल्लेख किया गया है कि वकीलों के लिए ड्रेस कोड बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार होगा।

नियम 30 में अधीनस्थ न्यायाधीशों, मजिस्ट्रेटों, जिला और सत्र न्यायाधीशों और महिला न्यायिक अधिकारियों सहित अन्य के लिए अलग-अलग ड्रेस कोड प्रदान किए गए थे।

16,000 से ज्यादा मरीजों के दिलों को धड़काने वाले डॉक्टर के दिल ने ही दे दिया धोखा

जामनगर ,07 जून 2023 (ए)। गुजरा के एक फेमस डॉक्टर गौरव गांधी की मौत हार्ट अटैक से हो गई। इस घटना के बाद, डॉक्टर भी हैरान हैं कि इतने युवा और हृदय के विशेषज्ञ की मौत हार्ट अटैक से कैसे हो गई। 41 साल के गौरव गांधी का नाम न केवल जामनगर बल्कि सौराष्ट्र रीजन के फेमस कॉर्डियालिस्ट थे। रिपोर्ट्स की मानें तो गौरव गांधी ने अपने चिकित्सा पेशे में 16,000 से ज्यादा दिल के मरीजों का इलाज किया था। मिली जानकारी के अनुसार अनुसार डॉ. गौरव सोमवार को अपने एक मरीज से मिलकर सिटी पैलेस रोड से घर वापस रहे थे। रात का खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चले गए। दूसरे दिन सुबह परिवार वालों ने उन्हें अचेत अवस्था में पाया और तुरंत अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली तक पहुंची मणिपुर हिंसा की आग

» **महिलाओं ने अमित शाह के घर तक मार्च किया**

मणिपुर ,07 जून 2023 (ए)। मणिपुर में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा की आग अब दिल्ली तक पहुंच गई है। कूकी समुदाय की 100 से ज्यादा महिलाएं दिल्ली पहुंच गई। वे गृह मंत्री अमित शाह से मिलने आई हैं। हाथों में तख्तियों के साथ महिलाओं ने अमित शाह के घर तक मार्च किया। पुलिस-सीआरपीएफ जवानों ने बैरिकेडिंग कर दिया और महिलाओं को वहीं रोक दिया।

बताया जा रहा है कि महिलाएं वहां से वापस चली गई हैं। गृह मंत्री ने उन्हें मिलने का आश्वासन दिया। कुछ महिलाओं को गृह मंत्री ने मिलने के लिए अंदर भी बुलाया। कुकी समुदाय की महिलाओं का कहना है कि शांति वार्ता के बावजूद वहां पर एक बच्चे और उसकी मां को मैतेई समुदाय के लोगों ने जला दिया, जिसके विरोध में वह प्रोटेस्ट करने आए थे।

रदर्शनकारी महिलाओं की गृह मंत्री से तेजी से कार्रवाई की मांग है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि गृह मंत्री द्वारा हाल की यात्रा और किए गए वादों के बावजूद हमारे समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उग्रवादी मैतेई समूहों द्वारा कूकी समुदाय के घरों को जलाया जा रहा है और यह अक्रामरता निरंतर जारी है।

कट्टरपंथी उग्रवादी मैतेई कर रहे हिंसा

गृह मंत्री के आश्वासन के बावजूद, कट्टरपंथी मैतेई समूह हिंसा और आगजनी लगातार कर रहे हैं. महिलाओं ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान चली गई, घर राख में बदल गए, और पहली बार हिंसा शुरू होने के एक महीने बाद भी परिवार विस्थापित हुए हैं यह विश्वास का स्पष्ट उल्लंघन है और शांति और स्थिरता के आदर्शों पर सीधा हमला है, जिसे हमारा देश कायम रखता है।

गृह मंत्री निभाएं अपनी जिम्मेदारी

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमारी राज्य सरकार की कोशिश हमारे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बार-बार नाकाफी रही है, क्योंकि पुलिस पर खुद पक्षपात करने का आरोप लगाया जाता है । हम गृह मंत्री से आग्रह करते हैं कि वे स्थिति की गंभीरता को पहचानें और आक्रामकता को रोकने और हमारे लिए उत्पन्न खतरे को बेअसर करने और हमारे लोगों के लिए शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

90 साल के बुजुर्ग को हाईकोर्ट ने सुनाई सजा

» **42 साल पहले दूध में मिलावट का मामला**

नई दिल्ली,07 जून 2023 (ए)। 42 साल पहले दूध में मिलावट करने के आरोप में 90 साल के एक बुजुर्ग को हाईकोर्ट ने सजा सुनाई है। अब उस शख्स ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने 29 साल बाद सजा सुनाई। यह कोर्ट केस वर्तमान में चर्चा का विषय बना हुआ है।

उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने के 10 साल बाद इस व्यक्ति को पिछले महीने निचली अदालत ने गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर गिरफ्तार किया था। अब वह शख्स 90 साल का हो चुका है। इस सजा को चुनौती देते हुए उन्होंने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक दिन बाद सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच इस पर सुनवाई करेगी।

इस शख्स का नाम वीरेंद्र कुमार है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी 40 साल पहले उन्हें सजा सुनाई थी। उसे पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। कुमार ने अब उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील की है और अपील पर फैसला आने तक जमानत मांगी है। मंगलवार को उनके वकील अजेश कुमार चावला के अनुरोध पर, न्यायमूर्ति अनिर्धा बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाश पीठ ने गुरुवार को याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की।

7 अक्टूबर, 1981 को वीरेंद्र कुमार को दूध में मिलावट के आरोप में खाद्य निरीक्षकों ने पकड़ा था। तब वह 48 साल के थे। उसने दावा किया कि वह दूध विक्रेता नहीं बल्कि बस कंडक्टर के तौर पर काम कर रहा है। 29 सितंबर, 1984 को खुर्जा मजिस्ट्रेट ने उन्हें खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराया।

इसके खिलाफ उन्होंने सेशन कोर्ट में अपील की। 14 जुलाई 1987 को बुलंदशहर सत्र न्यायालय ने भी सजा बरकरार रखी। इसके बाद मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 26 साल तक चला। 30 जनवरी 2013 को हाईकोर्ट ने वीरेंद्र कुमार को भी दोषी करार दिया था।

किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

» **मानसून से पहले केंद्र सरकार ने धान समेत 23 फसलों की बढ़ाई एमएसपी**

नई दिल्ली,07 जून 2023 (ए)। मानसून के आगमन से पहले केंद्र सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने धान सहित कई फसलों की एमएसपी बढ़ा दी है। जानकारी के मुताबिक, धान की एमएसपी में 143 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह तुअर और उड़द दाल के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी बंपर इजाफा किया गया है।

इस खबर से किसानों के बीच खुशी की लहर है। किसानों ने केंद्र सरकार के इस कदम की सराहना की है। कैबिनेट बैठक के बाद मोदी सरकार ने धान के साथ-साथ दलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। खास बात यह है कि खरीफ फसलों की एमएसपी में 3 से 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

अर दाल की एमएसपी में 400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से इजाफा किया गया है। इस तरह अब तुअर दाल का भाव बढ़कर 7000 रुपये क्विंटल हो गया। वहीं, उड़द दाल के न्यूनतम समर्थम मूल्य में 350 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब एक क्विंटल उड़द दाल का भाव 6950 रुपये हो गया है।

खास बता यह है कि मोटे अनाज की एमएसपी में भी बढ़ोतरी की गई है। केंद्र सरकार ने मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने मक्के की एमएसपी में 128 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोतरी की है।

सरकार हर तय होती है फसलों के लिए एमएसपी बता दें कि कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकार हर साल 23 फसलों के लिए एमएसपी तय करती है। सीएसीपी 23 फसलों पर एमएसपी की सिफारिश जारी करता है। इसमें सात अनाज, पांच दलहन, सात तिलहन और चार कमर्शियल फसलें शामिल हैं. इन 23 फसलों में से 15 खरीफ फसलें हैं और शेष रबी हैं।

कुड़मी जाति को एसटी का दर्जा देने के सवाल पर झारखंड से बंगाल तक बवाल

बन रहे जातीय टकराव के हालात

रांची,07 जून 2023 (ए)। कुड़मी जाति को आदिवासी का दर्जा देने के सवाल पर झारखंड और बंगाल में अब जातीय टकराव के हालात बन रहे हैं। एक तरफ कुड़मी समाज के लोग आदिवासी दर्जे की मांग को लेकर लगातार आंदोलित हैं, वहीं तरफ उनकी इस मांग के खिलाफ आदिवासी संगठन भी गोलबंद हो रहे हैं। 22 आदिवासी संगठनों ने कुड़मियों की मांग के खिलाफ 8 जून को बंगाल बंद का ऐलान किया है। इसी मुद्दे पर झारखंड में भी आदिवासी संगठनों ने बीते 4 जून को झारखंड के चांडिल में एक बड़ी रैली और आक्रोश जनसभा का आयोजन कर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया। सनद रहे कि मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा के पीछे भी ऐसी ही वजह है। वहां मैती समुदाय को एसटी दर्जा देने पर नागा और कुकी समुदाय ने मुखालफत की और देखते-देखते जातीय टकराव ने हिंसात्मक शक्ल अख्तियार कर ली।

बंगाल और झारखंड में कुड़मियों और आदिवासियों के बीच का बढ़ता झगड़ा सड़कों पर उतरता दिख रहा है। बीते अप्रैल में कुड़मी समुदाय ने एसटी दर्जे की मांग को लेकर पांच दिनों तक बंगाल से लेकर झारखंड तक रेल चक्का जाम आंदोलन किया था। इस दौरान रेलवे को लगभग 200 ट्रेनें रद्द करनी पड़ी थीं और कई राज्यों की ट्रेन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। समाज के नेताओं ने इस मांग पर आंदोलन को आगे और तेज करने का ऐलान किया है। दूसरी तरफ अब आदिवासियों के संगठन कुड़मियों की इस मांग के खिलाफ सड़क पर उतर रहे हैं। झारखंड से लेकर बंगाल तक कई जगहों पर आदिवासियों ने रैलियां निकाली हैं।

संपादकीय

नीतिगत अस्थिरता ठीक नहीं

अब सौर पैनलों पर टैक्स घटा, तो चीन से ही आयात बढ़ेगा। इससे भारत के बारे में क्या धारणा बनेगी? इसीलिए अपेक्षित यह है कि कोई कदम सभी पहलुओं पर पूरे विचार-विमर्श के बाद ही उठाया जाए।

एक खबर के मुताबिक भारत सरकार अब चीन से सौर पैनलों के आयात पर टैक्स घटाने पर विचार कर रही है। जबकि इसके पहले भारत ने चीन से आयात कम करने के लिए सौर पैनलों पर 40 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया था। सवाल है कि जब यह फैसला लिया गया, उसके बाद स्थिति में ऐसा क्या बदलाव आ गया है? एक विदेशी एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार अब शुल्क को 40 से 20 प्रतिशत पर लाने और साथ ही जीएसटी को 12 से पांच प्रतिशत पर लाने का विचार कर रही है। दरअसल सरकार ने अप्रैल 2022 में सौर पैनलों के आयात पर 40 प्रतिशत टैक्स और सौर सेलों के आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाया था। तब बताया गया था कि इस कदम का उद्देश्य चीन से आयात पर लगाम लगाना है, ताकि देश के अंदर इनके उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। लेकिन खबरें है कि असल में ऐसा नहीं हुआ । भारतीय निर्माता इन पैनलों और सेलों की मांग को पूरा करने लायक उत्पादन कर नहीं पाए। जबकि ऊंचे शुल्क की वजह से इन उत्पादों की देश में कमी हो गई और सौर परियोजनाओं का काम धीमा पड़ गया।

इसकी वजह से भारत सौर ऊर्जा उत्पादन के अपने लक्ष्यों को भी हासिल नहीं कर पाया। 2022 में 100 गीगावाट सौर ऊर्जा इंस्टॉल करने का लक्ष्य था, लेकिन कुछ रिपोर्टों के मुताबिक हासिल सिर्फ 63 मेगावाट हो पाया। इस हाल को देखते हुए भारतीय सौर कंपनियों ने इस साल आम बजट से पहले ही सरकार से इन टैक्स दरों को कम करने की मांग की थी। जीएसटी दर भी इस समस्या का बड़ा हिस्सा है। करीब चार साल पहले सौर परियोजनाओं पर जीएसटी सिर्फ पांच प्रतिशत ही थी, जिसे बाद में बढ़ा कर 8.9 प्रतिशत किया गया और फिर बढ़ा कर 12 प्रतिशत कर दिया गया। यह एक तथ्य है कि सौर उपकरणों का 80 प्रतिशत उत्पादन चीन में होता है। अब टैक्स घटा, तो चीन से ही आयात बढ़ेगा। इससे भारत के बारे में क्या धारणा बनेगी? इसीलिए अपेक्षित यह है कि कोई कदम सभी पहलुओं पर पूरे विचार-विमर्श के बाद ही उठाया जाए।

मानवीय क्रियाकलापों से प्रदूषित हो रहे हैं महासागर

जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा, पारिस्थितिकी संतुलन, जलवायु परिवर्तन, सामुद्रिक संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग इत्यादि विषयों पर प्रकाश डालने तथा महासागरों की वजह से आने वाली चुनौतियों के बारे में दुनिया में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 जून को 'विश्व महासागर दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस महासागरों को सम्मान देने, उनका महत्व जानने तथा उनके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने का अवसर प्रदान करता है। मानव जीवन में महासागरों की महत्वपूर्ण भूमिका और इनके संरक्षण के लिए अनिवार्य प्रयासों के संबंध में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए ही इस दिवस का आयोजन किया जाता है। दरअसल समुद्रों का हमारे जीवन में बेहद महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन बढ़ते मानवीय क्रियाकलापों के कारण दुनियाभर के महासागर बुरी तरह प्रदूषित हो रहे हैं। इसीलिए विश्व महासागर दिवस के आयोजन के जरिये समुद्रों की साफ-सफाई के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के साथ लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन में महासागरों की प्रमुख भूमिका का स्मरण कराया जाता है। दरअसल भोजन और दवाओं के प्रमुख स्रोत तथा जीवमंडल का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं महासागर, इसीलिए इनका संरक्षण बेहद जरूरी है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक महासागरों का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से बड़ा महत्व है और पृथ्वी पर जीवन का आरंभ इन्हीं महासागरों से ही माना जाता है। ऐसा माना गया है कि पहली बार महासागरीय जल में ही जीवन का अंकुर फूटा था लेकिन आज यही महासागर प्रदूषण के बोझ से कराह रहे हैं। दरअसल दुनिया में विकास की रफ्तार तेज होने के साथ महासागरों के दूषित होने की गति भी उसी तेजी से बढ़ती गई है।

रियो डी जेनेरियो में वर्ष 1992 में हुए 'पृथ्वी ग्रह' नामक फोरम में प्रतिवर्ष 'विश्व महासागर दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया था। तब कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डवलपमेंट तथा ओशन इंस्टीट्यूट ऑफ कनाडा द्वारा 'पृथ्वी शिखर सम्मेलन' में इसकी अवधारणा का प्रस्ताव रखा गया था। इस अवधारणा का मूल उद्देश्य लोगों को महासागरों पर मानवीय क्रियाकलापों के प्रभावों को सूचित करना, महासागर के लिए नागरिकों का एक विश्वव्यापी आन्दोलन विकसित करना तथा विश्वभर के महासागरों के स्थायी प्रबंधन के लिए एक परियोजना पर वैश्विक आबादी को जुटाना व एकजुट करना है। वर्ष 2008 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस अवलोकन को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई, जिसके बाद यह दिवस 'द ओशन प्रोजेक्ट' तथा 'वर्ल्ड ओशन नेटवर्क' के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष 8 जून को मनाया जाने लगा। वायु और जल ही पृथ्वी पर जीवन

के आधार हैं और हमारी पृथ्वी का करीब दो तिहाई हिस्सा महासागरों से घिरा है, जिनमें पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का करीब 97 प्रतिशत जल समाया हुआ है। हालांकि पृथ्वी का इतना बड़ा हिस्सा जल से घिरा होने के बावजूद दुनियाभर में शुद्ध पानी की मात्रा बेहद कम है। समुद्रों से घिरे होने के कारण ही पृथ्वी को 'वाटर प्लैनेट' भी कहा जाता है लेकिन अब इसी वाटर प्लैनेट का अस्तित्व खतरे में है। महासागर पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं और पृथ्वी पर जीवन का प्रतीक हैं। अनादिकाल से महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं, जिनमें अति सूक्ष्म जीवों से लेकर विशालकाय व्हेल तक अनेक प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां पनपती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि समुद्रों में जीवों की करीब दस लाख प्रजातियां मौजूद हैं, जिनका प्राकृतिक आवास हैं महासागर। असीम जैव विविधता के प्रतीक महासागर पृथ्वी के फेफड़ों की भांति हैं, इन्हीं से पूरी दुनिया को अधिकांश ऑक्सीजन मिलती है, जिससे हम सांस लेते हैं। इसके अलावा मानव द्वारा उत्पादित तीस फीसदी से भी ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड को पृथ्वी के यही फेफड़े ग्रहण करते हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में बताया गया है कि महासागर ऑक्सीजन प्रदान करने तथा कार्बन डाइऑक्साइड को अपने अंदर ग्रहण के अलावा हमारी जलवायु को भी स्थिर रखने में भी मदद करते हैं, बड़ी मात्रा में हवा तथा भोजन प्रदान करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने में मददगार होते हैं। मौसम में आने वाले बदलाव तथा जलवायु परिवर्तन की जानकारी प्रदान करने में भी महासागरों की अहम भूमिका होती है। तटीय इलाकों में रहने वाली दुनिया की करीब तीस फीसदी आबादी का तो जनजीवन पूरी तरह से महासागरों पर ही निर्भर है। विशाल महासागरों से पैट्रोलियम के साथ-साथ अनेक अन्य संसाधन भी प्राप्त होते हैं।

दुनियाभर में कई देशों की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में भी महासागरों का बहुत बड़ा योगदान है। महासागर खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक समुद्री और तटीय संसाधनों का वैश्विक स्तर पर बाजार मूल्य प्रतिवर्ष तीन ट्रिलियन डॉलर है। तटीय इलाकों में निवास करने वाले मछुआरों के अलावा समुद्री टूर ऑपरेटरों, लाइफगार्ड, सर्फ प्रशिक्षक, डाइविंग स्कूल, जल क्रीडा तथा बंदरगाह व्यवसाय से जुड़े लोगों और नाविकों को रोजगार भी महासागरों से ही मिलता है। कुछ अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि समुद्रों में बढ़ते प्रदूषण और समुद्री जीवों पर इसके दुष्प्रभावों की वजह से समुद्री तटों के आसपास रहने वाले समुदायों को 1.38 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का नुकसान पहुंच रहा है। 'ओशियन क्लीनअप' नामक संगठन द्वारा किए गए एक शोध के मुताबिक प्लास्टिक समुद्रों में रहने वाली सात सौ से भी ज्यादा जीवों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचा रहा है, जिनमें से सौ के करीब पहले से ही खतरे में हैं। इसके अलावा समुद्रों में समाते सीवेज तथा अनेक प्रकार के हानिकारक रसायन भी स्थिति को विकराल बना रहे हैं। समुद्रों तथा उनके आसपास रहने वाले लोगों के जीवन तथा आजीविका का मुख्य स्रोत ये समुद्र ही हैं, ऐसे में समुद्रों में बढ़ता प्लास्टिक कचरा तथा रासायनिक प्रदूषण सभी के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। ऐसे में अत्यंत जरूरी है कि समुद्रों का संरक्षण करने और इन्हें प्रदूषण रहित बनाने के लिए पूरी दुनिया में गंभीरता से कदम उठाए जाएं।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

अजनबी शहर

बड़ा है अज़नबी शहर,आवाज़ दो हमें।
डरा रही है हर डगर,आवाज़ दो हमें।
बड़ी उदास है हयात, देखो तो मुड़ के,
तुम्हीं को ढूढती नज़र,आवाज दो हमें।
कश्ती ये बहरे-हस्ती की न डगमगाए यूं
मुश्किल है बड़ा ये सफ़र,
आवाज दो हमें।
बिखरा दिया है शाम ने,
यादों का यूं धुंआ,
होने लगा दिल पे असर, आवाज दो हमें।
आस लिये छांव की, दिल आ गया दर पे,
सज़दे में है झुका ये सर, आवाज दो हमें

पुष्पा स्वाती, मुम्बई

इश्क वाले गीत

तुम्हारी गोद में सर रख के सो जाएं
थकन से चूर हैं, सपनों में खो जाएं
मिले हो तुम हमें हमको है ये ख़ुशी
तुम्हारे साथ फसल-ए-इश्क़ बो जाएं
ज़माने ने सताया ख़ूब है दोनों को
चलो अब हाथ थामे दूर को जाएं
है रिश्ता सात जन्मों का सभी कहते
हमारे तुम, तुम्हारे हम भी हो जाएं
सजाएँ इश्क़ वाले गीत कुछ हम तुम
मोहब्बत के चलो नग़मे पिरो जाएं

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

बेटियों को अपनी पसंद चुनने का हक क्यूँ नहीं

बड़े शर्म की बात है इक्कीसवीं सदी में भी ऐसे जाहिल और गँवार लोग है ये जानकर ताज्जुब होता है। आज सोशल मीडिया पर एक खबर पढ़ी, राजस्थान के भीलवाड़ा में एक लड़की को भागकर शादी करना महंगा पड़ गया। रतन पूरा गांव की 19 साल की लड़की अपने माता-पिता के साथ रहती थी, दूसरे गांव के एक युवक का उसके वहाँ आना-जाना था। दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे। एक दिन दोनों ने घर से भागकर गुपचुप शादी कर ली। जब इस मामले की रिपोर्ट थाने में की गई तो बेटी अपने पति के साथ थाने पहुँची, जहां पिता अपनी बेटी को इस मामले में समझा रहे थे, तभी पुलिस वालों के सामने बेटी बोल पड़ी कि मैं नहीं जानती यह कौन है। बेटी की इस हरकत पर पिता भी बेहद नाराज हो गए। उन्होंने बेटी से सभी रिश्ते तोड़ लिए और बेटी को मृत समझकर जून महीने की 13 तारिख को मृत्यु भोज कराने की ठान ली। बकायदा पिता ने शोक संदेश छपवाकर रिश्तेदारों को भेजा है।

सबसे पहला सवाल ये कि क्या उन महाशय का बेटा किसीकी बेटी को भगाकर शादी करके ले आता! तब भी क्या उनका प्रतिभाव ऐसा होता? नहीं..हरगिज़ नहीं क्यूँकि वो बेटा है, उसे पूरी छूट है। सारी बंदीशें सारे नियम बेटियों पर ही थोपे जाते है।

चलो माना कि बेटी ने भागकर शादी की वो गलत किया, पर इसके पीछे की वजह भी तो हो सकती है। पहली बात तो यह कि क्या प्यार करना गुनाह है? लड़की भागती क्यूँ है, ये किसीने सोचा है? घरवाले हंमेशा बेटियों को दबाकर रखने की कोशिश करते है। माँ-बाप का रवैया बेटियों के प्रति इतना सख्त होता है कि बच्ची अपने दिल की बात, अपनी पसंद बताने से डरती है। और वही डर उसे ऐसा कदम उठाने पर मजबूर करता है। क्यूँ घरवाले बच्चों की भावनाओं को नहीं समझते? क्यूँ कभी कोई माँ बेटी को पास बिठाकर प्यार से ये नहीं पूछती कि क्या तू किसीको चाहती है? तेरी पसंद कोई है तो बेझिझक बता देना अगर लायक होगा तो हम तेरी शादी खुशी खुशी उससे करवा देंगे।

क्यूँ बेटियों को उनकी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार नहीं? घर में प्यार, अपनापन, परवाह और विश्वास मिलता तो बेटी कभी ऐसा कदम नहीं उठाती। बेटी के प्रेम प्रकरण का पता चलते ही परिवार वाले मरने, मारने पर उतर आते है। ऐसे में कोई लड़की क्या करेगी? जन्म दिया इसका मतलब ये हरगिज़ नहीं कि बच्ची के अस्तित्व पर आपका अधिकार है, उसकी ज़िंदगी अपनी खुद की है। उसे भी ये तय करनेका हक है कि उसे अपनी ज़िंदगी किसके साथ बितानी है। माँ-बाप खुशी-खुशी ये हक नहीं देते तभी बेटी ऐसा कदम उठाती है। बेटी के साथ दोस्ती का रिश्ता रखना चाहिए। उसकी हर जरूरत, पसंद-नापसंद की परवाह करनी चाहिए तभी बेटी अभिभावक पर विश्वास करेगी और ऐसा कदम उठाने से पहले परिवार वालों से अपने दिल की बात शेयर कर पाएगी।

कर दिया बेटी के जीते जी अग्निसंस्कार! शर्म आनी चाहिए, ये क्यूँ नहीं सोचते कि काश बेटी की भावनाओं को समझा होता तो ये नौबत न आती। पितृसत्तात्मक वाली सोच न जानें कब बदलेगी। कब बेटियाँ मुक्त मन से अपनी पसंद बताने से नहीं डरेगी। ताज़िंदगी मर्दों की मोहताज बनकर ही जीती रही है। कभी पिता, कभी भाई, कभी प्रेमी तो कभी पति के हाथों शारीरिक और मानसिक रूप से शोषित होती रही है। महज़ कहने भर को हम खुद को इक्कीसवीं सदी के आधुनिक लोग समझते है मानसिकता आज भी अठारहवीं सदी वाली पाले बैठे है। समाज के ठेकेदारों कब तक बेटियों की दशा विमर्श की क्षितिज पर झूलती रहेगी? कब पूर्ण स्वराज मिलेगा? कब अपनी पसंद के जीवनसाथी के साथ हँसी खुशी जीवन बीता पाएगी? थोड़े तो नरम दिल बनकर बेटियों का साथ दीजिए। प्रेम तो ईश्वर का दिया सुंदर उपहार है। अगर बेटी लायक वर चुनती है, तो उसका साथ देकर उसकी खुशी बेटी की झोली में ड़ाल दीजिए। बेटियों के शुभचिंतक बनिए, न कि बेटियों की खुशी के दुश्मन। आपकी ही लापरवाही से बेटियाँ डर के मारे ऐसे कदम उठाती है। बेटी लक्ष्मी का रुप होती है जीते जी क्रिया कर्म शोभा नहीं देता।

भावना ठाकर भावु, बेंगलोर कर्नाटक

इख्तियार

मंजिलें दूर है तो क्या
रास्ते इख्तियार में है।
दुश्वारियां ही सही
के हौसले इख्तियार में है।
कल रात पिंजरा खुला था,
कुछ पंछी उड गए,
वो मुगालते में रहे
के परिंदे इख्तियार में है।
तुम इस जमीं पे
ये सरहदें बना के खुश हो,
मगर कहाँ ये सबा
ये सितारें इख्तियार में है।
हर सिम्त में है रंजिशे,
मगर हमें खौफ कहाँ,
जब तक अपने
सोच के दायरे ईख्त्यार में है।

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

फितरत

कहीं सागर गरजता है
कहीं बादर बरसता है
कहीं आँधी मचलती है
कहीं बानगी बदलता है
मगर अपने अंदर झाँको
तेरी जमीर दरकता है
कभी मौसम बहकता है
कभी उमस सा लगता है
कभी ठंडक ठिठुराती है
कभी दौलत बहकाती है
मगर अपने अंदर झाँकों
तेरी फितरत बहकाती है
कभी दुनियाँ को लानत है
कभी दुनियाँ बनी आफत है
कभी घरती रूलाती है
कभी आसमां बज्र गिराती है
मगर अपने अंदर झाँकों
तेरी नसीहत ही आफत है
कभी सपना हमें हँसाती है
कभी ख्राबों में रूलाती है
कभी इश्क हमें तड़पाती है
कभी गम अश्क दे जाती है
मगर मोहब्बत वो आफत है
जो तस्वीर बदल जाती है

उदय किशोर साह
जयपुर जिला बाँका
बिहार

हम कवि होते तो

अगर हम कवि होते तो,
हम भी कविता लिखते।
तुलसी जैसे राम लिखते।
सूर जैसे श्याम लिखते।
मीरा जैसे निश्छल-प्रेम,
कबीर जैसे पैगाम लिखते।
पंत भवानी मैथिली जैसे,
पर्वत घाटी सरिता लिखते।
हम भी कविता लिखते।
फूलों की मुस्कान लिखते।
परिन्दे की उड़ान लिखते।
हवा-पानी, बादल-बारिश,
धरती और आसमान लिखते।
टिम-टिमाते हुए असंख्य तारे,
चाँद और सविता लिखते।
हम भी कविता लिखते।।
कल आज और कल लिखते।
समस्या कारण और हल लिखते।
पसीने से नहाया किसान,
सीमा वाले सैन्यदल लिखते।
सच पूछो तो साथी हम,
पतित पावन पुनिता लिखते।
हम भी कविता लिखते।।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

दूसरे देशों में दी जाने वाली सजा पर जरा गौर फरमाए-लव जिहाद

आज बहुत ही गहरी सोच मे डूबी थी और मैं यही सोच रही थी कि आखिर, क्या कारण है कि हमें कभी भी विदेशों से बलात्कार, लड़कियों की हत्या बलात्कार के बाद, क्यों इस प्रकार की खबर सुनने को नहीं मिलती है कि फलाने देश में लड़कियों का बलात्कार हुआ या लड़की का बलात्कार करने के बाद बहुत ही बुरी तरीके से सरेआम कत्ल कर दिया गया। बलात्कार के लिए लड़कियों का कहीं पर भी अपहरण किया गया। लड़कियों ने शादी करने से मना कर दिया हो तो उन्हें सरेआम रास्ते पर मार देना इस तरह की खबर भी हमने कभी नहीं सुनी, चलती बस में लड़की का बलात्कार कर कर निर्भया हत्याकांड जैसी खबर तो केवल भारत देश में ही सुनने को मिली सरे राह पर पेट्रोल जलाकर एक पशु चिकित्सक जो कि महिला थी उसको भी जला दिया गया आखिर क्यों? सिर्फ आतंकी क्षेत्रों को छोड़कर दूसरे क्षेत्रों से इस तरह की या यह कहें कि दूसरे देशों से इस तरह की खबर नहीं आती उदाहरण के तौर पर चीन जापान सिंगापुर आदि ऐसे कई प्रतिष्ठित देश है जहां से इस तरह की खबर नहीं आती।

यदि वर्ष 2022 से देखा जाए तो 2023 के आते आते ही न जाने कितनी बेटियां बलात्कार के बाद मौत के घाट उतार दी गई। और फिर इस तरह के जघन्य हत्याकांड को नाम दे दिया गया लव जिहाद। जब इस तरह के हत्याकांड हुए तो दोष हिंदू बेटियों को दिया गया कि वह छोटे-छोटे तंग कपड़े पहनती हैं खुले विचारों की है देर रात तक घूमती हैं वगैरह-वगैरह। जबकि इसके विपरीत है देखा जाए तो विदेश में रहने वाली महिलाएं भारतीय महिलाओं से भी अधिक खुले विचारों की है। देर रात तक पबों में जाना, शराब पीना, छोटे-छोटे बहुत ही ज्यादा तंग कपड़े पहनना, देर रात तक सड़कों पर घूमना इत्यादि पर अगर हम गौर फरमाए तो भारतीयों से अधिक तो विदेश में रहने वाली महिलाएं आजाद हैं या यह कहें कि खुले विचारों वाली है तो वहां महिलाएं इतनी बेफिक्र होकर कैसे घूम सकती हैं। हमारे भारत देश में चलिए पूरी तरह नहीं मानते हैं परंतु 60त्न महिलाएं आज भी भारतीय परंपराओं को अपनाते हुए अपने तन को ढक कर रखती है। उसके बावजूद भी भारत देश में इस तरह के जघन्य अपराध होते हैं विदेशी महिलाओं के साथ इस तरह के जघन्य अपराध क्यों नहीं होते हैं। जानते हैं इसके पीछे बहुत बड़ा कारण है। उसका कारण है हमारे देश की न्याय प्रक्रिया में कमी हमारे देश मे बलात्कार के अपराधी को सजा देने में कमी।

आज मैं इसी खोज में गूगल पर सर्च करने लगी कि हर देश में बलात्कारी के लिए क्या सजा तय की गई है। सबसे अधिक जो सजा मैंने इस्लाम धर्म में पाई है, वह यह है कि यदि कोई इस्लाम धर्म का किसी महिला के साथ बलात्कार करता है तो उसके गुप्तांग को ही काट दिया जाता है या क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है ताकि वह जिंदगी भर किसी के भी काबिल ना रहे और इस तरह का जघन्य अपराध ना कर सके।

जब मैंने चीन देश के बलात्कार के संबंध में दी जाने वाली सजा को पढ़ा तो चौंकाने वाला तथ्य सामने यहां आया कि बलात्कारी को फांसी की सजा दी जाती है साथ ही उसके गुप्ता को भी क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है।

मिस्र देश में भी सरेआम दुनिया के सामने गोली मार दी जाती है और गुप्ता को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है।

इस्लाम धर्म में बलात्कार के बदले में दी जाने वाली सजा को सुनकर कोई भी बलात्कार करने से पहले लड़का दस बार सोचता है। उसकी रूह सोच कर ही कांप उठती है कि मैं बलात्कार कैसे कर सकता हूं यदि मैंने अपने जिस्म की भूख मिटाने के लिए बलात्कार किया तो मेरा गुप्तांग ही काट दिया जाएगा। जिसके डर से वह ऐसा अपराध कर ही नहीं पाता है। हमारे हिंदू समुदाय में ऐसी कोई भी सजा तय नहीं की गई है खास करके भारत देश में जिसके कारण अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि इस्लाम धर्म के लड़के अपना नाम बदलकर लड़कियों को अपने जाल में फंसा रहे हैं और उनके साथ बलात्कार कर उन्हें बहुत ही बुरी तरीके से मार रहे हैं और नाम दे रहे हैं लव जिहाद जानते हैं इसका कारण क्या है इसका कारण है हारमोंस, आज की नव युवा पीढ़ी मे हर किसी को अपनी एक गर्लफ्रेंड चाहिए। सभी को पता है कि इस्लाम धर्म में यदि उन्होंने अपने ही धर्म की किसी लड़की को फसाया और उसके साथ कोई जगह अपराध किया तो उनके गुप्ता को काट दिया जाएगा या उन्हें फांसी की सजा दी जाएगी। इसलिए अब क्यों वह अपने ही धर्म की लड़कियों को नहीं फंसाते। इस विषय पर गहराई से सोच कर देखिए गा और मेरी तरह आप भी गूगल पर एक बार सर्च करिएगा कि विभिन्न देशों में बलात्कार की सजा क्या है और हमारे भारत देश में बलात्कार की सजा क्या है जमीन आसमान का अंतर पाएंगे दूसरी कमी हमारे देश में मिलने वाले न्याय की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चलती है जबकि दूसरे देशों में न्याय प्रक्रिया बहुत ही तेजी से चलती है जिसके चलते वहां पर बहुत सारे केस सालों साल तक नहीं चलते।

जैसा कि मैंने आपको बताया था की बलात्कार का कारण हारमोंस है, जी हां जैसे-जैसे नव युवकों की उम्र बढ़ती जाती है उनके शरीर में हारमोंस बदलते रहते हैं इसी हारमोंस के बदलने के कारण लड़कों का या लड़कियों का विपरीत लिंग की तरफ आकर्षित होना स्वाभाविक है। इसे तो कोई भी नहीं बदल सकता बस यह है कि हिंदुओं में बलात्कार के लिए कोई कड़ा नियम ना होने के कारण आए दिन कभी श्रद्धा, कभी साक्षी, तो कभी कोई ओर इस बलात्कार की सूली पर चढ़ती ही रहेंगी हिंदु बेटियां और ऐसे ही हिंदू लड़कियों की हत्याएं होती भी रहेंगी। इस्लाम धर्म की लड़कियों के साथ ऐसा इसलिए नहीं होता है क्योंकि इस्लाम धर्म के अंतर्गत हर कोई जानता है कि यदि हमने इस तरह का अपराध किया तो हमारे या तो गुप्तांग काट दिए जाएंगे या तो हमें फांसी के तख्ते पर चढ़ा दिया जाएगा या तो हमें ऐसा बना दिया जाएगा की हम ताउम्र अपनी औलाद के लिए तरसते रहें मतलब नपुंसक।

अब आप सोचिएगा, हार्मोन्स का बदलना या उसे रोकना हमारे हाथ में नही है। परंतु हिंदु धर्म मे भी बलात्कार के लिए कड़ी सज़ा को लाना बहुत ही जरूरी है। ताकी फिर कोई भी, किसी भी धर्म का लड़का हिंदू बेटियों को छूने से पहले कतराए और ना हो फिर से कोई भी कहीं भी बेटी लव जिहाद का शिकार।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

राजस्थान में हुई गहलोत-पायलट में सुलह

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच अरसे से चली आ रही तनातनी फिलवक्त थम गई लगती है। गौरतलब है कि राजस्थान में 2018 में कांग्रेस की सरकार वनने के बाद सचिन को उपमुख्यमंत्री पद से नवाजा गया था। माना जा रहा था कि उनके प्रदेशाध्यक्ष रहते कांग्रेस ने एकजुटता से चुनाव लड़कर वसुंधरा राजे की भाजपा सरकार को जिस तरह पराजित किया था, उसके परिणामस्वरूप सचिन को यह पद सौंपा गया था। लेकिन पहले दिन से ही गहलोत और सचिन के वीच छत्तीस का आंकड़ा बन गया। दोनों नेता एक दूसरे के धुर विरोध में उतर आने लगे। वाद में सचिन ने अपने लिए पार्टी और सरकार में ज्यादा सम्मानजनक स्पेस हासिल करने के लिए समर्थक विधायकों के साथ हरियाणा के एक होटल में डेरा डाला तो गहलोत ने बड़ी सफाई से इस प्रयास को सचिन की कांग्रेस और पार्टी नेतृत्व से बगावत के रूप में पेश किया। इसके बाद के घटनाक्रम में सचिन को उपमुख्यमंत्री पद से हाथ धोना पड़ा और प्रदेशाध्यक्ष पद पर भी गोविंद सिंह डोटासरा को बिठा दिया गया। उसके वाद से दोनों नेता एक दूसरे पर तंज कसने का कोई मौका नहीं चूक रहे थे। भाषा की मर्यादा तक को भुला दिया गया था। वीच- बीच में कांग्रेस आला कमान ने तमाम कोशिशें कीं कि दोनों नेताओं के वीच सुलह कराई जाए। लेकिन हर वार नाकामी हाथ लगी। कई बार यह भी लगा कि हाई कमान की कोई सुनने को तैयार नहीं है। उसकी कमजोरी साफ नजर आती थी। लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस की विजय और कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे के आसीन होने के बाद अव गहलोत और सचिन के वीच फिर से सुलह कराई गई है। बताया गया है कि कांग्रेस ने एक सर्वे कराया था जिससे पता लगा कि कांग्रेस नेता एकजुट होकर चुनाव में नहीं उतरे तो उन्हें शिकस्त मिलना तय है। आम जनता में कांग्रेस की सड़क दिख रही खींचतान कोई अच्छा संदेश नहीं जा रहा था । अव 10 जनपथ के हस्तक्षेप के वाद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के प्रयास से दोनों नेताओं ने एक साथ मिलकर कांग्रेस को जिताने के लिए काम करने का भरोसा दिलाया है। लेकिन लगता नहीं है कि ऐसा हो पाएगा क्योंकि दोनों एक दूसरे का विरोध करते-करते इतना आगे निकल चुके हैं कि उनमें भरोसे का संकट खत्म होना संभव नहीं है ।

अजय दीक्षित

प्रश्नचिन्ह ?

विवेक रात को घर आते ही साधना से पूछा- माँ...! तुमने खाना खा लिया ? बाबू जी कहाँ है ? वे खा लिये ?

घड़ी पर एक नजर डालते हुए साधना बोली - विवेक ! तू कैसी बात करता है बेटा ? हम लोग तेरे बगैर कभी खाना खाये हैं ?विवेक बोला अगर रात अधिक हो जाए तो खाना खा लिया करो। यूँ इंतजार मत किया करो। विवेक के स्वर में चिड़चिड़ाहट थी। तभी रघुवीर जी कमरे से बाहर निकले। बोले- क्यों रे ! तुम्हारे साथ नहीं खायेंगे तो किसके साथ खायेंगे। एक तू ही तो है हमारे आँखों का तारा; दूसरा है ही कौन हमारा ? साधना बोली बेटा, ये ठीक बात नहीं है। जैसे-जैसे तू बड़ा होते जा रहा है, तेरे व्यवहार में रूखापन आते जा रहा है। तू हमेशा गुस्से में रहता है। सीधा मुँह बात नहीं करता। बहुत ही घमंड है तुझे; और पता नहीं किस बात पर ? क्या काम करता है बता ? मैं तेरे ऑफिस जा के बात करती हूँ।

माँ ...! मैं कुछ भी काम करूँ ? आप लोग मेरे काम में टांग न अड़ाये तो बेहतर होगा। बीच में ही विवेक खाना छोड़ कर चला गया।

अगली सुबह विवेक के घर के सामने भीड़ थी। तरह-तरह के चर्चे हो रही थी। तभी अचानक पुलिस की गाड़ी हार्न देते हुए विवेक के घर के पास आकर खड़ी हुई। विवेक पसीना-पसीना हो गया। वह भागना तो चाहा, पर भाग नहीं पाया। रघुवीर व साधना अपने किस्मत को कोसने लगे,भला किसी को क्या बोलते। आँखें भीग गयीं। आखिरकार पता चल ही गया कि विवेक दो नंबरी काम-जुआ, सट्टा और बहुत कुछ करता है। घर तक को गिरवी रख डाला है। जमीन-जयजाद में भी हाथ मारने की कोशिश की है। विवेक का सारा भंडा फूट गया। दो पुलिस वाले उसे पकड़ कर ले गये। रघुवीर और साधना के आर्द्र स्वर निकल रहे थे- आखिर हमारी परवरिश में क्या कमी रह गयी...?

रघुवीर व साधना के विवेक को दिये संस्कार पर प्रश्नचिह्न लग रहा था।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद,छत्तीसगढ़

परी की उड़ान

मैं कुछ कहूंगा ,बुरा नहीं मानना
बस मेरी इन बातों को समझना
बेटी अब तुम बड़ी जो हो रही हो
मेरे लिए अभी भी नन्ही परी हो
अभी अभी तो उड़ना सीखी हो
उड़ो पर निगाहें ज़मीन पे रखना
जो समझा रहे हैं उसे गौर करना
चाहे हम सफर में संग हों या न हों
गर तुम तन्हा और मन व्याकुल हो
हमारी कही बातों को याद करना
खुद को संजोना,विश्वास न खोना
माना तुम अब समझदार हो गई हो
दुनिया,कुछ कुछ समझने लगी हो
ये जंग बड़ी,इसे आसां न समझना
रखना हिम्मत,डटकर करना सामना

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रदेश के 2058 सहकारी समितियों में लटका है ताला,कार्य प्रभावित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश के 2058 सहकारी समितियों में कार्यरत कर्मचारी लंबित मांगों की पूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश सहकारी कर्मचारी संघ के बैनर तले एक जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिससे सहकारी समितियों में ताला लटका है। सहकारी समितियों के कर्मचारी मांगों को लेकर पूर्व में 22 मई से 27 मई 2023 तक काली पट्टी लगाकर काम किए। इसके बाद भी मांगों के प्रति सकारात्मक पहल नहीं करने पर एक जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। सहकारी समिति के कर्मचारियों के आंदोलन में जाने से प्रदेश के 30 लाख किसान परिवार प्रभावित हो रहे हैं। इनकी प्रमुख तीन मांगों में सहकारी समितियों में कार्यरत कर्मचारियों का नियमितीकरण, वेतनमान सरकारी कर्मचारी की भांति देना व सीधी भर्ती पर रोक लगाना है। कहा गया है कि प्रदेश के 2058 सहकारी समितियों में कार्यरत कर्मचारियों को बैंक के रिक्त पदों पर संविलियन के माध्यम से नियुक्त करना शामिल है। बता दें कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन की

महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाएं समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद बीज, केसीसी ऋण वितरण, वर्मी खाद वितरण आदि का संचालन किया जाता है। सहकारिता के माध्यम से गांव, गरीब, किसानों की सेवा की जाती है। प्रदेश के 2058 सहकारी समितियां सहकारिता की रीढ़ की हड्डी एवं प्रथम सीढ़ी हैं, जहां 13 हजार कर्मचारी सेवा दे रहे हैं। इनका कहना है कि उन्हें ना तो सम्मानजनक वेतन दिया जा रहा है और ना ही नियमितीकरण सहित अन्य सुविधाएं मिल पा रही हैं ऐसे में सभी कर्मचारियों का भविष्य अंधकार में है। कर्मचारियों के द्वारा इसकी सूचना प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत व संबंधित सचिवालयों में भी दी है।

सरगुजा जिले में 39 सहकारी समिति

सरगुजा जिले में 39 सहकारी समितियों का संचालित हैं। जिला सहकारी समिति कर्मचारी संघ की ओर से कलेक्टर सरगुजा, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं अंबिकापुर सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को तीन सूत्रीय मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने की सूचना दी गई है। इन्होंने बताया है कि 22 से 27 मई तक जिले के सभी समिति के कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर लंबित मांगों की पूर्ति हेतु काम किया, इसके बाद भी शासन की ओर से उनकी मांगों की पूर्ति के लिए किसी प्रकार की पहल नहीं की गई है। ऐसे में सहकारी समिति नमनाकला, धौरपुर, बटवाही, सहनपुर, खैरबार, डूमरडीह, ससौली, दरिमा, कुंदीकला, राजापुर, सीतापुर, सुखरी, मेंड्राकला सहित अन्य समितियों में ताला लटका है, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा ने भगवानपुर में स्थित शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान में की तालाबंदी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा सरगुजा जिलाध्यक्ष फुलेश्वरी सिंह के नेतृत्व में भगवानपुर में स्थित शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान बंद करके पोस्टर लगाया और कांग्रेस के पूर्ण शराबबंदी के वायदे को पूरा करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर फुलेश्वरी सिंह ने कहा प्रदेश की भूपेश सरकार ने पूर्ण शराबबंदी का वादा हाथ में गंगा जल लेकर, कसम खाकर महिलाओं से किया था। इन्होंने कहा था कि हमारी सरकार आएगी तो हम छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराबबंदी करेंगे, लेकिन सरकार अपने वादा से मुकर रही है। प्रदेश में शराब को लेकर दो हजार करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला सामने आया है। भूपेश सरकार जनता को ठगने का काम कर रही है और जनता के पैसे को लूट रही है। महिला मोर्चा सरगुजा ने भूपेश सरकार से मांग की है कि आपने जनता से जो पूर्ण शराबबंदी का वादा किया था, उसको पूरा करें और जनता के रुपये को जनता के हित में छत्तीसगढ़ के खजाने में वापस किया जाए। इस दौरान विकास पाण्डेय, विजय व्यापारी, विश्वविजय सिंह तोमर, अरुणा सिंह, संजीव वर्मा, सोनू तिग्गा, अनुराग शुक्ला, अभिषेक सिंह, सोलु सिंह, विकास गुप्ता, रश्मि जायसवाल, प्रियंका चौबे, रजनी बिंद, सीमा कश्यप, संगीता सोनी, अंजली, रेणु उपस्थित थे।

साइकिल सवार युवक महिला की लाश को छोड़ कर हो गए थे फरार,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

शहर के पुराना बस स्टैंड रोड, बाबूपारा में साइकिल सवार युवकों द्वारा छोड़े गए महिला के शव का पोस्टमार्टम बुधवार को पुलिस ने कराया है। पुलिस का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया महिला की मौत की

प्रकृति सामान्य बताई जा रही है, फिर भी विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार पुलिस कर रही है।

विदित हो कि मंगलवार को सुमन चौधरी पति अर्जुन तिग्गा 37 वर्ष निवासी पुराना बस स्टैंड, प्रतीक्षालय अंबिकापुर का शव लावारिस हालत में बाबूपारा पुराना बस स्टैंड रोड स्थित एक दुकान के सामने पड़े होने की जानकारी मिली थी। मामले में सरगुजा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी का अवलोकन किया गया। मृतिका के शव को लावारिस हाल में छोड़कर जाने वाले दोनों संदिग्धों को पुलिस ने तत्काल पकड़ लिया था। बुधवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मृतिका का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें प्रथम दृष्टया मृत्यु सामान्य प्रकृति का होना बताया गया। हत्यात्मक प्रकृति का होना नहीं पाया गया है। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मृतिका के शव को दुकान के सामने लावारिस हालत में छोड़ कर चले जाने वाले युवकों से पूछताछ जारी है। सभी पक्षों से पूछताछ के बाद मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

शहर के मैरिन ड्राइव के पास मिली एक अज्ञात युवक की लाश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

मैरिन ड्राइव के पास एक युवक का शव लावारिस हाल में मिला। इसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के स्वजनों को तलाश कर पुलिस पूछताछ की। मृतिका की मां बताई कि मृतक बुटन सोनी पिता स्व. बालमुकुंद सोनी 45 वर्ष निवासी गुदरी बाजार अंबिकापुर घर से बाहर रहकर कबाड़ बिनकर जीवन यापन करता था। तीन दिन पहले वह अपनी मां को पेट में गर्मी लगने की जानकारी दिया था और घर में खाना भी नहीं खा रहा था। स्वजनों ने मृत्यु लू लगने से होने का संदेह व्यक्त किया है। पुलिस ने मृत्यु के स्पष्ट कारणों का पता करने के लिए मृतक का पोस्टमार्टम कराया है। वर्तमान में मृत्यु सामान्य प्रकृति से होना सामने आया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी हैं।

स्वीडन में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगी अंबिकापुर की शिवानी सोनी

» नेशनल मिनी गोल्फ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल और बेस्ट प्लेयर का जीत चुकी हैं अवार्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

17 अगस्त से 30 अगस्त तक स्वीडन में आयोजित होने वाले मिनी गोल्फ के वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अंबिकापुर नगर की शिवानी सोनी भाग लेंगी।इस प्रतियोगिता में 58 देश के खिलाड़ी भाग लेंगे, और पूरे भारत से 6 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खेलेंगे।

बुधवार को अंबिकापुर नगर के प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मिनी गोल्फ खिलाड़ी शिवानी जो अंबिकापुर नगर के ब्रम्ह रोड की रहने वाली हैं,उन्होंने बताया कि वह अभी हाल में ही मिनी गोल्फ के नेशनल प्रतियोगिता जो कि राजस्थान में आयोजित था उसमें गोल्ड मेडल और बेस्ट इंटरनेशनल प्लेयर अवॉर्ड जीतने में सफलता प्राप्त की है।इसके अलावा उन्होंने अभी यूनिवर्सिटी लेवल पर हुए प्रतियोगिता में ऑल इंडिया में गोल्ड मेडल एवं बेस्ट प्लेयर का अवार्ड जीता है,उक्त दोनों प्रतियोगिता जनवरी एवं फरवरी में आयोजित था।

शिवानी ने बताया कि वह तीन इंटरनेशनल मैच खेल चुकी है जिसमें एक में ब्राउंज एवं दूसरे में टॉप टेन में नौवें स्थान पर अपना जगह बना चुकी है। शिवानी ने बताया कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए उनका चयन हुआ है,वर्ल्ड चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के पांच खिलाड़ी एवं 1 अन्य खिलाड़ी भारत के दूसरे राज्य से खेलेंगे।शिवानी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छे परिणाम आने के आसार जताई हैं,और इसके लिए कोच राजेश प्रताप सिंह को पूरी निष्ठा के साथ उनकी तैयारी करवाना बता रही हैं। शिवानी ने बताया कि स्वीडन में आयोजित होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह एवं खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

नहीं है मैदान फिर भी इंटरनेशनल व नेशनल स्तर तक पहुंची शिवानी

प्रेस वार्ता के दौरान शिवानी सोनी ने बताया कि अंबिकापुर में मिनी गोल्फ के लिए कोई स्टेडियम नहीं है।वह मैदान में टेंपरेरी मैट का ग्राउंड बनाकर खेलती हैं और उसी से अभ्यास कर आज इतनी ऊंचाइयों तक पहुंची हैं। अंबिकापुर से मिनी गोल्फ खेलने वाली वह इकलौती खिलाड़ी हैं। शिवानी अभी साईं कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद सरस्वती महाविद्यालय में बीपीएस का कोर्स कर रही हैं और अपने हुनर से अब नेशनल प्रतियोगिता के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता खेलने जा रही हैं,जो गौरव की बात है।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर शादी तोड़ा

मामले में पीड़ित युवती की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित युवक समेत 5 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर शादी तोड़ देने के मामले में पीड़ित युवती की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित युवक समेत 5 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट ग्राम पंपापुर निवासी कुमारी दुर्गावती साहू ने कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

उसने बताया कि उसका विवाह कोरिया जिले के ग्राम सकरिया निवासी रूपेंद्र साहू पिता मोहरलाल साहू के साथ हुआ था। 19 मई को दोनों परिवार के सदस्यों एवं समाज की मौजूदगी में की गई थी। काफी संख्या में लोगों ने भोजन भी किया था। उसके बाद रुपेंद्र साहू ने कारोबार के लिए युवती से दहेज में महिंद्रा कंपनी की पिकप वाहन एवं दो लाख रुपए नकदी की मांग की थी। जिस पर उसने कहा कि उसके परिजन सामर्थ्य के अनुरूप दहेज देंगे। इस बात पर नाराजगी व्यक्त करने पर विगत 25 मई को उसके

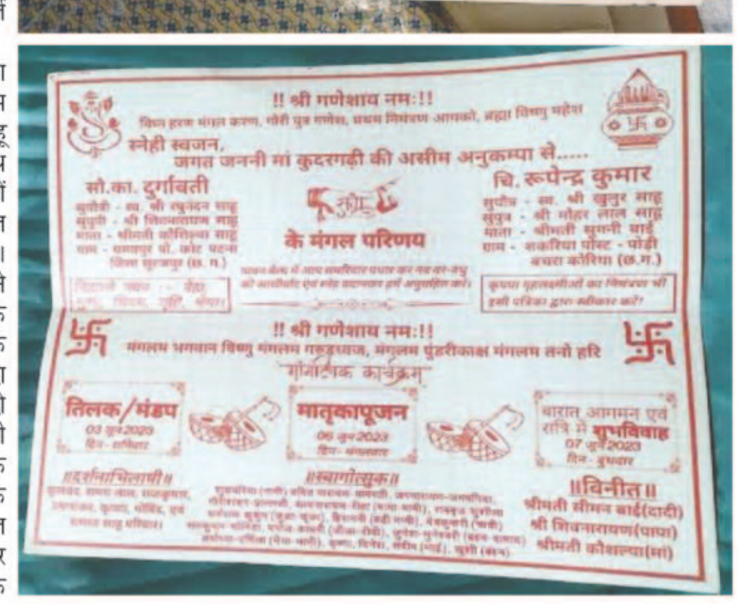

परिजन युवक के घर पहुंचे थे। जहां उन्होंने बताया कि रूपेंद्र किसी युवती के साथ भाग गया है और उसका विगत कई सालों से उसके साथ प्रेम संबंध था।

ऐसा कह कर उन्होंने शादी तोड़ने की बात कही। पीड़ित यूपी का कहना है कि सगाई रस्म में उसके पिता का काफी खर्चा हुआ है। रूपेंद्र के साथ सगाई रस्म के दौरान दोनों परिवार के बीच सहमति के बाद 3 जून को तिलक और 7 जून को विवाह की तिथि निर्धारित हुई थी। उन्होंने वैवाहिक कार्यक्रम का कार्ड भी रिश्तेदारों एवं समाज के बीच विद्युत कर दिया है। ऐसे में युवक एवं उसके परिजनों द्वारा शादी तोड़ने से उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी आघात लगा है।

पीड़ित युवती की रिपोर्ट पर बुधवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक रूपेंद्र साहू समेत उसके पिता मोहरलाल साहू, माता सुगनी साहू, भाई धर्मेंद्र साहू एवं भाभी प्रीति साहू के विरुद्ध दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 4, 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

लखनपुर के ग्राम परसोडी कला खरीखाडांड में संग्रहित 25 टन कोयला हुआ जप्त

» जिसकी अनुमानित कीमत लगभग दो लाख बताई जा रही है

» यह कार्रवाई अम्बिकापुर पुलिस की विशेष टीम के द्वारा की गई है

- मनोज कुमार -
लखनपुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परसोडी कला खरीखाडांड में अम्बिकापुर पुलिस की विशेष टीम ने संग्रहित किए 25 टन कोयला जप्त किया है तथा वाहन के माध्यम से कोयले को लखनपुर थाने लाया गया है जिसकी अनुमानित कीमत लगभग दो लाख रुपए बताई जा रही है वही आगे की कार्यवाही पुलिस के द्वारा की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुखबिर की सूचना उपरांत सरगुजा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला एसडीओपी ग्रामीण अखिलेश कौशिक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु डीएसपी डॉ प्रशांत देवांगन के नेतृत्व में अम्बिकापुर की विशेष टीम ने यह कार्यवाही की है। सूत्रों की माने तो ट्रक में कोयला तस्करी किए जाने को लेकर तस्करों द्वारा बाइकर्स गैंग की मदद से परसोडी कला खरीखाडांड में एक ग्रामीण के खेत में बड़ी मात्रा में कोयला संग्रहित किया गया था।संग्रहित किए लगभग 25 टन कोयले को जप्त करते हुए वाहनों के माध्यम से उसको लखनपुर थाने लाया गया है। उक्त कोयले की अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख है। पुलिस के द्वारा उक्त कोयले को ट्रैक्टर के माध्यम से थाने लाया गया है साथ ही आगे की कार्यवाही की जा रही है। जानकारी के मुताबिक ट्रक में कोयले की तस्करी के मकसद से तस्करों ने बाइकर्स गैंग की मदद से खेत में लगभग 25 टन कोयला संग्रहित किया था। 7 जून बुधवार की सुबह अंबिकापुर की विशेष पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कोयला को जप्त किया गया है।

बताया जा रहा है कि उक्त कोयला माफिया के माध्यम से ग्रामीण मुन्ना कुजुर के द्वारा भंडारित कराया गया था पुलिस जांच करते हुए संबंधित के ऊपर कार्यवाही की जा रही है। लंबे समय से कोल माफियाओं के द्वारा बाइकर्स गैंग की मदद से कोयला की तस्करी की जा रही थी जिसे लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया गया था खबर प्रकाशित होने के उपरांत बुधवार की सुबह अंबिकापुर के पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है ।

कोयला के अवैध कारोबारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की टीवी गई है जिसमें अवैध कोयला के कारोबारियों के ऊपर धरपकड़ और तीव्र की जाएगी और कोई भी कोयला तस्कर बख्शा नहीं जाएगा।

वही मौके पर पहुंचकर बड़ी मात्रा में कोयला जप्त किया है। पुलिस कोयला तस्कर करने वाले अपराधियों के ऊपर नकेल कसने के लिए और भी सख्ती से कार्रवाई करने का बात पुलिस विभाग के द्वारा कहा जा रहा है।

CMYK

डॉलर का शिकंजा टूटेगा या नहीं-जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट से फिर तेज हुई ये बहस

वॉशिंगटन,07 जून 2023। जिस समय विश्व व्यापार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व का टूटने की चर्चा जोरों पर है, अमेरिका के जाने-माने बैंक जेपी मॉर्गन ने यह स्वीकार किया है कि डॉलर के इस्तेमाल से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कारोबार करने की कोशिश में जुटे देशों की संख्या बढ़ रही है।

अमेरिका के कई मशहूर अर्थशास्त्रियों और वित्तीय बाजार के जानकारों ने हाल के हफ्तों में डॉलर का वर्चस्व टूटने की चल रही चर्चा को खारिज करने की कोशिश की है। इन अर्थशास्त्रियों में नोबेल पुरस्कार विजेता पॉल क्रूगमैन भी हैं। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डॉलर का प्रसार इतना ज्यादा है और इसका इस्तेमाल लोगों की आदत में इस तरह शुमार हो चुका है कि डॉलर के अलावा किसी मुद्रा के जरिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार का प्रचलित होना संभव नहीं है।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक जेपी मॉर्गन के ताजा निष्कर्ष से इस धारणा को चोट पहुंची है। वैसे जेपी मॉर्गन ने भी कहा है कि निकट भविष्य में डॉलर का वर्चस्व टूटने की संभावना नहीं है। लेकिन उसने यह भी कहा है कि डी-डॉलराइजेशन की प्रक्रिया (डॉलर का इस्तेमाल छोड़ने की कोशिश) शुरू हो गई है।

जेपी मॉर्गन ने अपनी रिपोर्ट इस सोमवार को जारी की। इस रिपोर्ट ने अमेरिका में डी-डॉलराइजेशन की बहस को नए सिरे से खड़ा कर दिया है। जेपी मॉर्गन के विशेषज्ञों ने कहा है- 'डी-डॉलराइजेशन के कुछ संकेत उभर रहे हैं। यह रुझान जारी रहने की संभावना है, लेकिन निकट भविष्य में अमेरिकी डॉलर अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल बना रहेगा।'

विशेषज्ञों के मुताबिक जेपी मॉर्गन की राय इस समय विश्व कारोबार में दिख रहे रुझानों के अनुरूप है। फिलहाल विश्व कारोबार में 88 फीसदी भुगतान डॉलर में हो रहा है। पिछले दो दशकों से दुनिया में 40 से 50 फीसदी ट्रेड इनवॉसिंग (अंतरराष्ट्रीय भुगतान चालान) डॉलर में होती रही है। अभी इसमें कोई खास गिरावट दर्ज नहीं हुई है।

लेकिन विश्लेषकों के मुताबिक डी-डॉलराइजेशन की कोशिश पिछले साल यूक्रेन पर हमले के बाद से तेज हुई है। इसलिए संभव है कि अभी दिख रहे आंकड़ों के आधार पर बनाई गई समझ ठोस ना हो। इन विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर के सामने सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका की अपनी अर्थव्यवस्था से पेश आ रही है। विश्व निर्यात में अमेरिका का हिस्सा गिर कर नौ फीसदी पर आ चुका है। उधर अमेरिका सरकार पर बढ़ते कर्ज, अर्थव्यवस्था में संभावित मंदी और महंगाई से डॉलर की हैसियत कमजोर पड़ने का अंदेशा गहरा रहा है।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया और उसे डॉलर में होने वाले भुगतान के सिस्टम से बाहर कर दिया। रूस की डॉलर में रखी गई 330 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा भी जब्त कर ली गई। जानकारों के मुताबिक इससे विभिन्न देशों में डर पैदा हुआ कि अमेरिका की नीतियों के मुताबिक ना चलने पर उनके साथ भी अमेरिका ऐसा व्यवहार कर सकता है। इसलिए वे डॉलर का इस्तेमाल घटाने में जुट गए हैं।

जेपी मॉर्गन ने कहा है- 'विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में डी-डॉलराइजेशन के स्पष्ट संकेत हैं, जहां डॉलर के हिस्से में रिकॉर्ड गिरावट आई है।' अब ट्रेंड यह है कि विभिन्न देश डॉलर की जगह सोने और अन्य मुद्राओं को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में ज्यादा से ज्यादा शामिल कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क में रहना सबसे महंगा, पहली बार सिंगापुर टॉप पांच में

न्यूयॉर्क,07 जून 2023। प्रवासी के रूप में रहने के लिए दुनिया का सबसे मंहगे शहर का तमगा अब हांगकांग के पास से चला गया है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, साल 2023 के लिए न्यूयॉर्क ने प्रवासी के रूप में रहने के लिए दुनिया के सबसे मंहगा शहर बन गया है। उसने हांगकांग को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में जेनेवा और लंदन तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। वहीं, सिंगापुर टॉप पांच में अंतिम पायदान पर पहुंच गया है।

यह अध्ययन ईसीए इंटरनेशनल ने किया है। ईसीए इंटरनेशनल ने अपनी कॉस्ट ऑफ लिविंग रैंकिंग में न्यूयॉर्क को टॉप पर रहने के पीछे बढ़ती मुद्रास्फीति और बढ़ती आवास लागत को वजह बताया है। बता दें कि बीते साल जारी हुई रैंकिंग में सिंगापुर 13वें पायदान पर था। जहां से वह इस बार टॉप पांच में पहुंच गया है। यह कदम एशियाई शहरों के बीच रैंकिंग में गिरावट की एक सामान्य प्रवृत्ति को कम करता है और आंशिक रूप से अन्य क्षेत्रों के सापेक्ष मुद्रास्फीति की कम दरों के लिए जिम्मेदार भी है।

रैंकिंग को लेकर ईसीए इंटरनेशनल के एशिया के क्षेत्रीय निदेशक ली क्वान ने कहा कि दक्षिणपूर्व एशियाई वित्तीय केंद्र का उदय मुख्य रूप से आवास की लागत में बड़ी वृद्धि के कारण था। इन देश किराये के घरों की बढ़ी हुई मांग, क्षेत्र के अन्य प्रमुख स्थानों की तुलना में आंशिक रूप से कोविड-19 प्रतिबंधों में पहले की छूट से संचालित,आवास की आपूर्ति में इसी वृद्धि से मेल नहीं खाती थी।

रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन की आर्थिक नीतियों की वजह से रहने की कीमतों में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण इस साल सबसे बड़ा असर इस्तांबुल में देखा गया। जो बीते साल की रैंकिंग की तुलना में 95 पायदान चढ़कर 108वें स्थान पर पहुंच गया है। इसके अलावा ईसीए इंटरनेशनल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि रूसी प्रवासियों की आमद के कारण दुबई का किराया लगभग एक तिहाई बढ़ गया, जिससे शहर 12वें स्थान पर पहुंच गया। वहीं, अधिकांश यूरोपीय शहरों की रैंकिंग में वृद्धि हुई है। नार्वे और स्वीडिश शहर कमजोर मुद्राओं के कारण रैंकिग में नीचे आ गए हैं। साथ ही अन्य देशों की तुलना में कमजोर मुद्रा और कम मुद्रास्फीति की दर के प्रभाव के कारण चीनी शहर भी रैंकिंग में नीचे आ गए हैं। साथ ही सभी अमेरिकी शहरों के लिए रैंकिंग मजबूत डॉलर और उच्च मुद्रास्फीति की वजह से बढ़ गई है। इसी कारण सैन फ्रांसिस्को शीर्ष 10 से बाहर हो गया।

बता दें कि ईसीए इंटरनेशनल दुनिया भर के 120 देशों और क्षेत्रों में 207 शहरों की रैंकिग जारी करता है। इसके लिए वह उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की लागत का विश्लेषण करता है, जो आमतौर पर प्रवासियों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों में किराये की लागत में फैक्टरिंग करता है।

बांग्लादेश में ट्रक-वैन की टक्कर में 15 लोगों की मौत,ड्राइवर के सोने के कारण हुआ हादसा

ढाका,07 जून 2023।

बांग्लादेश में बुधवार को एक ट्रक और पिकअप वैन की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में तकरीबन 15 मजदूरों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। एक स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना सिलहट में सुबह करीब 5.30 बजे हुई। 25-30 निर्माण श्रमिक एक पिकअप वैन में सवार होकर अपने काम पर जा रहे थे तभी एक ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी।

बचाव कार्य में लगे उस्मानीनगर फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के फखरुल इस्लाम के अनुसार, दुर्घटना ट्रक चालक के सो जाने के कारण हुई। आगे इस्लाम ने कहा कि हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 11 की मौके पर ही मौत हो हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने कहा कि ऐसा हादसा पहले कभी नहीं देखा। ऐसा लगता है कि दुर्घटना के समय ट्रक चालक सो रहा था। शायद बालू से लदा ट्रक बहुत तेज गति से चल रहा था, जिसकी वजह से वह अनियंत्रित हो गया और इतनी बड़ी दुर्घटना हो गई।

सिलहट फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के उप निदेशक मोनिरुज्जमां ने कहा कि खबर मिलने के बाद मैं मौके पर गया। सुबह 7 बजे तक 11 शव बरामद किए गए। सिलहट पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त मसूद राणा ने कहा कि शवों को बिना पोस्टमॉर्टम के पीड़ितों के परिवारों को सौंप दिया जा रहा है। सभी पीड़ित निर्माण श्रमिक थे। वे एक पिकअप वैन से मशीनरी के साथ सुबह-सुबह उस्मानीनगर में वेल्डिंग का काम करने जा रहे थे।

दवाइयों में छिपाई हुई थी 40 करोड़ डॉलर की ड्रग्स,चार चीनी नागरिक गिरफ्तार

टोक्यो, 07 जून 2023। जापान के अधिकारियों ने देश के इतिहास में सिंथेटिक दवाओं की दूसरी सबसे बड़ी खेप टोक्यो बंदरगाह से जब्त किया है, जिसका वजन 700 किलोग्राम (1,543 पाउंड) है। जापानी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एनएचके ब्रॉडकास्टर ने बताया कि पाउडर, जो बाद में सिंथेटिक ड्रग्स निकला, संयुक्त अरब अमीरात से चीन के माध्यम से एक मालवाहक जहाज पर टोक्यो बंदरगाह पर पहुंचाए गए कंटेनरों में पाया गया। दवाओं को बोर्डों के बीच छिपाया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनकी कीमत 43 अरब येन (लगभग 40 करोड़ डॉलर) है।

ब्रॉडकास्टर ने बताया कि मामले में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।माना जाता है कि उनके पीछे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन काम करता है।

जापान में जब्त की गई दवाओं की सबसे बड़ी खेप वर्ष 2019 में जब्त की गई थी जिसका वजन एक टन था। वर्ष 2022 में, जापान में कुल 290 किलोग्राम ड्रग्स जब्त किए गए और 170 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

मिशिगन में पूजा स्थलों में तोड़फोड़ करने पर होगी कार्रवाई, भारतीय-अमेरिकी जनप्रतिनिधि ने पेश किया विधेयक

वाशिंगटन,07 जून 2023। अमेरिका के राज्य मिशिगन में किसी पूजा स्थल पर कोई व्यक्ति तोड़फोड़ करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। एक भारतीय-अमेरिकी जनप्रतिनिधि रंजीव पुरी ने घृणा अपराध में पूजा स्थलों की तोड़फोड़ को शामिल करने के लिए एक विधेयक पेश किया है। इससे पहले एक रिपोर्ट भी सामने आई थी जिसमें बताया गया था कि अमेरिका में घृणा अपराध 12 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

इसी के साथ मिशिगन राज्य के प्रतिनिधि रंजीव पुरी ने दीवाली, वैसाखी, ईद अल-फितर, ईद अल-अधा और नव वर्ष की छुट्टियों को मिशिगन में आधिकारिक राज्य-मान्यता प्राप्त छुट्टियों के रूप में मनाने के लिए एक विधेयक भी पेश किया है। रंजीव पुरी के माता-पिता 1970 के दशक में अमृतसर से अमेरिका चले गए थे।

रंजीव पुरी का मिशिगन में जनप्रतिनिधि के रूप में दूसरा कार्यकाल है। पुरी अब मिशिगन

हाउस मेजोरिटी व्हिप हैं। पुरी की फिलहाल एक प्रभावशाली स्थिति है और सामाजिक मुद्दों को आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने पेश करते हुए कहा कि मैंने दीवाली, वैसाखी और ईद-उल-फितर को मिशिगन में आधिकारिक छुट्टी घोषित करने के लिए एक बिल पेश किया है। मेरे पास एक और बिल है जो घृणा अपराधों की परिभाषा का विस्तार करेगा।

मिशिगन में मूल घृणा अपराध बिल 1988 में लिखा गया था और तब से इसे अपडेट नहीं किया गया है। 35 साल हो गए हैं और इसलिए हम इसे अब अधिक समावेशी के साथ अपडेट कर रहे हैं। रंजीव पुरी के मुताबिक, अगर मंदिर, मस्जिद या सिख गुरुद्वारे जैसी धार्मिक संस्था में तोड़फोड़ की जाती है या उसे अपवित्र किया जाता है, तो अब उन लोगों के खिलाफ भारी जिम्मेदारी के साथ मुकदमा चलाना बहुत आसान होगा।

धार्मिक आधार पर भी हो रहा घृणा अपराध

इससे पहले एफबीआई की रिपोर्ट में बताया गया था कि अमेरिका में सिख समुदाय और यहूदियों के खिलाफ घृणा अपराध के मामले बढ़े हैं। एफबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 में धर्म संबंधित कुल 1005 घृणा अपराध दर्ज किए गए। इनमें से 31.9 प्रतिशत घृणा अपराध की घटनाएं यहूदियों के खिलाफ और 21.3 प्रतिशत सिख समुदाय के खिलाफ दर्ज की गईं। मुस्लिमों के खिलाफ घृणा अपराध की घटनाएं 9.5 फीसदी थी, वहीं कैथोलिक लोगों के खिलाफ घृणा अपराध के मामले 6.1 फीसदी दर्ज हुए।

भूटान में क्यों जनता संदेह की निगाह से देखती है सिविल सोसायटी संगठनों को?

थिम्पू ,07 जून 2023। भूटान में हाल के महीनों सिविल सोसायटी संगठनों की गतिविधियां बढ़ी हैं। लेकिन कई अन्य देशों की तरह भी भूटान में समाज का एक तबका इन संगठनों को संदेह की नजर से देखता है। अक्सर यहां इन्हें स्वार्थी लोगों की जमात के रूप में देखा जाता है। इस संगठनों के आलोचक कहते सुने जाते हैं कि इनसे जुड़े लोग विदेशी चंदा जुटाने के लिए अपने देश की कमियों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं।

लेकिन सिविल सोसायटी संगठनों का दावा है कि वे भूटान की सेवा कर रहे हैं। कुछ रोज पहले यहां इन संगठनों ने एक वेबिनार आयोजित किया। उसे संबोधित करते हुए एनजीओ भूटान ट्रांसपैरेंसी इनिशिएटिव (बीटीआई) के कार्यकारी निदेशक डॉ. रिनझिन ने कहा कि ये संगठन सामाजिक निगरानी की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी कारण न्यायपालिका का इन संगठनों में भरोसा बढ़ा है, जबकि मीडिया अब इन्हें बेहतर ढंग से पेश कर रहा है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूटान में 54 रजिस्टर्ड सिविल सोसायटी संगठन हैं। इन संगठनों का दावा है कि वे गरीबी हटाने,

पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, पशु कल्याण, कला-संस्कृति, युवा सशक्तीकरण और सुशासन लाने के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे संगठनों को विनियमित करने के लिए भूटान सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई, जब संसद ने सिविल सोसायटी ऑर्गेनाइजेशन एक्ट पारित किया। 2016 में भूटान नरेश ने राष्ट्र निर्माण के कार्य में सिविल सोसायटी संगठनों के योगदान को मान्यता देने के लिए नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट नाम का सम्मान प्रदान करने की शुरुआत की।

इसके बावजूद आम जन के मन में इन संगठनों और उनकी गतिविधियों को लेकर संदेह बना हुआ है। हाल में हुए वेबिनार के दौरान खुद इन संगठनों से जुड़े लोगों ने यह शिकायत जताई। सिविल सोसायटी कार्यकर्ता चेन्चो लाहमू ने कहा कि लोगों के मन में अक्सर इसको लेकर भ्रम बना रहता है कि ये संगठन सरकारी हैं या स्वतंत्र पहल पर बने हैं। उन्होंने कहा कि अन्य लोकतांत्रिक देशों में ऐसे संगठन सरकार सेवाएं प्रदान करने में पूरक की भूमिका निभाते हैं। लेकिन भूटान में उनकी भूमिका को लेकर भ्रम बना हुआ है।

सिविल सोसायटी संगठनों का कहना है कि 2007 का कानून पारित होने के बाद सिविल सोसायटी संगठनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सख्त हो गई। इसका यह तो अच्छा नतीजा हुआ कि इन संगठनों के लिए सरकार को प्रभावित करना आसान हो गया, लेकिन साथ ही पंजीकरण प्रक्रिया इतनी कठिन हो गई, जिससे लोग ऐसे संगठन बनाने को लेकर हिचकने लगे।

हालांकि लोगों के मन यह धारणा बनी रहती है कि सिविल सोसायटी संगठनों के पास बहुत पैसा है, लेकिन इन संगठनों का कहना है कि उनके सामने प्रमुख समस्या फंडिंग की है। इन संगठनों के मुताबिक भूटान के लोग धार्मिक और चैरिटी संगठनों को उदारता से चंदा देते हैं, लेकिन सिविल सोसायटी संगठनों को सहायता देने को लेकर इच्छुक नहीं रहते। इन हालात में ये संगठन विदेशी चंदा लेने को मजबूर हो जाते हैं। मगर यही वो पहलू है, जिनकी वजह से इन संगठनों को लेकर जनता के बीच सबसे ज्यादा संदेह पैदा होता है।

पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल पहुंचे पोप,कई दिनों से आंतों में सूजन और दर्द के कारण परेशान थे

वैटिकन , 07 जून 2023। पोप फ्रांसिस आंतों की रुकावट के इलाज के लिए पेट की सर्जरी कराने बुधवार को अस्पताल पहुंचे हैं। दो साल पहले पोप ने बड़ी आंतों में सूजन और संकुचाने के कारण 33 सेंटीमीटर कोलन को हटा दिया था। वेटिकन पोप फ्रांसिस (86) का ऑपरेशन रोम के जेमेली अस्पताल अस्पताल में होगा। इस दौरान उन्हें साधारण एनेस्थीसिया दिया जाएगा और ऑपरेशन के बाद वह कुछ दिनों तक अस्पताल में ही रहेंगे।

पहले भी 10 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे हैं पोप फ्रांसिस

वेटिकन सिटी के अनुसार, आंतों के दर्द और उनकी बिगड़ती स्थिति के कारण पोप ने कृत्रिम अंगों के साथ लैपरोटोमी और पेट की दीवार की सर्जरी कराई है। पेट की खुली सर्जरी को लैपरोटोमी कहा जाता है। यह बीमारी के असल कारण जानने और उसे ठीक करने में मदद करती है। पोप लेप्रोसेल के ब्लॉक से पीड़ित थे। रिकवरी के लिए पोप कुछ दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती रहेंगे। जुलाई 2021 में बड़ी आंत के 33 सेंटीमीटर को हटाने के लिए पोप 10 दिनों तक जेमेली अस्पताल में ही भर्ती थे।

पुर्तगाल और मंगोलिया के दौरे पर जाएंगे पोप

वेटिकन ने बताया कि पोप मंगलवार को जांच के लिए अस्पताल गए थे। बुधवार सुबह अस्पताल जाने से पहले पोप सेंट पीटर्स स्क्वायर में जनता से रूबरू हो गए थे। इस दौरान वह काफी अच्छे हालत में थे। इससे पहले पोप दो मीटिंग कर चुके थे। पोप अगस्त के पहले सप्ताह में चार दिन के दौरे के लिए पुर्तगाल जाएंगे। इसके साथ ही वह 31 अगस्त को एक लंबी छुट्टी पर मंगोलिया जाएंगे। पुर्तगाल यात्रा को लेकर वेटिकन सिटी ने उनके दो से छह अगस्त के दौरे का कार्यक्रम जारी किया है। पोप विश्व युवा दिवस के आयोजन के लिए पुर्तगाल जाएंगे। यहां इनका दौरा काफी व्यस्तताओं से भरा रहेगा। इनमें कई सारी औपचारिक बैठकें, अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत होना और मरीन श्राइन दौरा सहित कई कार्यक्रम शामिल हैं।

> कभी आईएस का थप्पड़..तो कभी आईपीएस का थप्पड़..तो कभी छत्तीसगढ़ लोक सेवा अधिकारी के थप्पड़ की गूंज सुनाई दी ही होगी

सरगुजा रेंज का कुछ जिला प्रशासनिक अधिकारियों के थप्पड़ से सुर्खियों में रहा

- जब सरगुजा इकलौता जिला था तब भी पुलिस हुआ करती थी..प्रशासनिक अधिकारी हुआ करते थे..पर सार्वजनिक थप्पड़ नहीं पड़ा करते थे
- थप्पड़ गलतियों पर पड़े तो समझ आता है पर बिना गलतियों के भी थप्पड़ की गूंज अधिकारियों की घमंड की पोल खोलती है
- कुछ प्रत्यक्ष थप्पड़ की कहानी तो कुछ अंदरूनी थप्पड़ की कहानी..कुछ प्रमाणित थप्पड़ तो कुछ अप्रमाणित थप्पड़

- रवि सिंह-
कोरिया/सरगुजा, 07 जून 2023 (घटती-घटना)।

पिछले 4 सालों में पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन के अधिकारियों के सार्वजनिक थप्पड़ देखने सुनने को मिले हैं, खासकर थप्पड़ की गूंज वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान देखी गई थी, जिसमें सूरजपुर जिला काफी चर्चित रहा जहां एक आईएएस अधिकारी ने थप्पड़ जड़ा था, इसके बाद एक आईपीएस का थप्पड़ एक जिले के डॉक्टर को पड़ा था, जिसकी चर्चा तो खूब थी पर प्रामाणिकता सामने नहीं आ पाई थी, क्योंकि डॉक्टर व आईपीएस दोनों ने इस बात को दफन कर दिया था, इसके बाद एक और आईपीएस ने अपने ही आरक्षक को थप्पड़ जड़ा था जो हाल फिलहाल की ही बात है पर यह भी बात दफन होती दिख रही है, क्योंकि एक मामूली आरक्षक अपने आईपीएस अधिकारी से पंगा नहीं ले सकता था, चाहे उसके स्वाभिमान को क्यों ना ठेस पहुंची हो,इन अधिकारियों के थप्पड़ ने उनके अंदर के घमंड को सबके सामने प्रस्तुत कर दिया था, इसमें से कुछ थप्पड़ तो सही भी माने जा सकते हैं पर कुछ थप्पड़ जो सार्वजनिक तौर पर लगे थे उसमें आदमी की लाचारी थी और उस थप्पड़ ने कहीं ना कहीं अधिकारी के अहोदे के घमंड की पहचान कराई थी। अब आप कहेंगे कि अचानक एक थप्पड़ की बात कैसे फिर से होने लगी तो यह थप्पड़ की बात इसलिए होने लगी, विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार थप्पड़ सूरजपुर के आईपीएस अधिकारी ने रात में एक व्यक्ति को लगा दिया और यह थप्पड़ इसलिए लगा क्योंकि शादी की खुशी में लोग कितने मशगुल थे कि उन्हें यह नहीं पता था कि यातायात व्यवस्था भी बाधित हो रही है और ऐसा कई बार होता आया था और हो भी रहा है, सूरजपुर जिले का साधु रामसेवा कुंज स्थल काफी चर्चित है यहां पर प्रतिदिन कई शादियां होती हैं और शादियों की वजह से यहां पर यातायात व्यवस्था शाम के समय चरमरा जाती है, उस रास्ते से आने जाने वाले लोग शादी के सीजन में काफी परेशान होते हैं इस परेशानी को कई अधिकारियों ने देखा होगा और इससे जूझते भी लोगों को देखा था पर कभी भी कोई कार्यवाही नहीं की, पर इस बार जिले में नव पदस्थ एसपी इस परेशानी के बीच खुद फंस गए, और उनकी गाड़ी का हॉर्न बैंडबाज बाले को सुनाई नहीं दिया तो एसपी ने थप्पड़ लगाकर उन्हें व्यवस्था याद दिला दी, जबकि गैर जिम्मेदार लोगो की कृत्य से रोजाना कई लोग परेशान होते हैं, जंहा इस बार थप्पड़ कि जहां आलोचना हो रही है तो वही प्रशंसा भी हो रही है, क्योंकि यह थप्पड़ बहुत पहले ही पड़ना था और यदि यह थप्पड़ पहले पड़ता होता या इस पर उचित दिशा निर्देश पहले के अधिकारी दिए होते तो रोजाना लोग परेशान नही होते। जो आज तक नहीं किया गया था जिस वजह से परेशानी आम लोगों को झेलनी पड़ रही थी वह भी राष्ट्रीय राजमार्ग में।

सूरजपुर आईपीएस का थप्पड़ व्यवस्था के तहत सही माना जा रहा है

विशेष सूत्रों के हवाले से एक बड़ी खबर मिल रही है कई सूरजपुर जिले के आईपीएस अधिकारी को जिले की कमान अभी-अभी सौंपी गई है और आते के साथ ही उनके साथ एक घटना घट गई, घटना तो घटी है पर घटना का समर्थन व आलोचना दोनो हो रहा है। पुलिस अधीक्षक को आए हुए दो-तीन दिन ही हुए हैं पर दो-तीन दिन में उनके कार्यों का फीडबैक अभी तक अच्छा दिख रहा है काफी संवेदनशील माने जा रहे हैं, पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी से लेकर आम जनता भी उनसे संतुष्ट रहेगी ऐसा माना जा रहा है, पर इनके साथ जो घटना घटी यदि उस पर गौर किया जाए तो वह कहीं ना कहीं व्यवस्था के तहत सही माना जा रहा है, सूरजपुर जिले के मध्य शहर के नेशनल हाईवे पर स्थित साधु रामसेवा कुंज में जहां पर शादी के सीजनों में काफी कार्यक्रम आयोजित होते हैं जिस वजह से वहां पर भीड़ भाड़ की स्थिति शाम के समय बन जाती है और यातायात व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा जाती है और यह देर रात तक अव्यवस्था देखी भी जाति है और ऐसी अव्यवस्था तभी होती है जब कोई शादी का फंक्शन वहां आयोजित होता है, कुछ ऐसा ही एक शादी का फंक्शन वहां पर आयोजित था और वहां पर अव्यवस्था फैली हुई थी आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी और उसी समय नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक से लौट रहे थे और उस भीड़ में फंस गए उसी दौरान एक एंबुलेंस आ गई और सायरन बज रहा था पर बैंड बाजा वाले हट नहीं रहे थे, एंबुलेंस का सायरन बज रहा था पर शादी के कार्यक्रम में लोग इतने व्यस्त थे कि उन्हें सायरन भी सुनाई नहीं दे रहा था, जिसे देखकर पुलिस अधीक्षक समझ गए कि ऐसी अव्यवस्था प्रतिदिन होती होगी, जिस पर वह गाड़ी से उतरे और समझाया और नहीं समझने पर एक यक्ति को थप्पड़ जड़ दिया, जिसके बाद व्यवस्था सुधारने वाले थप्पड़ को लेकर सराहना भी हो रही है और यह भी लोगों का कहना है कि उस जगह के लिए नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक कुछ ऐसा निर्देशित कर दें ताकि शादी के समय भी उस रास्ते में आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना ना करना पड़े, क्योंकि आपातकाल स्थिति में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी क्रम में फिर से थप्पड़ मारने की घटना सामने आ रही जिसने एक नव पुलिस अधीक्षक एक बैड वाले को थप्पड़ जमा दिए, मामला नगर के मुख्य मार्ग की है जहाँ रोड किनारे दूल्हे की बारात सज रही थी तो उसी रास्ते से आईपीएस की गाड़ी गुजर रही थी, वाहन के सामने बैड वाले के आ जाने से नाराज आईपीएस साहब गाड़ी से उतर कर थप्पड़ जमा दिए, जिसकी गूंज चर्चा नगर में जोरो पर है। एक नजर में आईपीएस का थप्पड़ उचित भी माना जा रहा है और दूसरी नजर में अनुचित भी, अनुचित इसलिए माना जा रहा है की आईपीएस अफसर एक संविधानिक पद पर होते हैं और उनकी एक अलग ही गरिमा होती है पर क्या सड़क पर व्यवस्था सुधारने के बजाय किसी को थप्पड़ झड़ना क्या न्याय उचित है? एसपी साहब का थप्पड़ मारकर व्यवस्था सुधारना कितना उचित है यह तो कानूनी दृष्टि से सोचने व समझने वाली बात होगी, एसपी साहब का थप्पड़ मारने का मामला कितना उचित है और कितना अनुचित यह एक बड़ा सवाल है? आखिर क्या वजह थी थप्पड़ लगाने की..? अंदाजा लगाया जा सकता है. क्या इसी तरह थप्पड़, बाल पकड़कर लात मारते पुलिस काम करेगी? फिलहाल इस मामले पुलिस के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

कोरोनाकाल में आईएएस में लगाया था थप्पड़ जिसकी जमकर हुई थी आलोचना

वैश्विक महामारी के बीच सूरजपुर के तत्कालीन कलेक्टर ने शहर के मध्य चौक पर एक व्यक्ति को थप्पड़ लगाकर उठक बैठक कराया था जिसका वीडियो जमकर वायरल हुआ था और इसकी आलोचना भी खूब हुई थी क्योंकि यह थप्पड़ सार्वजनिक तौर पर बिना उसकी बात सुने का मौका दिए बिना ही जड़ दिया गया था और उस व्यक्ति का मोबाइल तोड़ दिया गया था जिसके बाद जब मामला काफी सुर्खियों में आया तो कलेक्टर को माफी भी मांगने पड़ी और नया मोबाइल उस व्यक्ति को देना पड़ा और जिले से बाहर भी जाना पड़ा।

पड़ोसी जिले में भी एक डॉक्टर को आईपीएस का पड़ा था थप्पड़

पड़ोसी जिले में भी एक आईपीएस का थप्पड़ कोरोना वायरस महामारी के समय एक प्रतिष्ठित डॉक्टर को पड़ा था और यह थप्पड़ भी इसलिए पड़ा था क्योंकि डॉक्टर साहब अपनी मानवता भूल चुके थे और मनमानी कर रहे थे जो इस वैश्विक महामारी में मानवता को तार-तार करने वाला था जो बात आईपीएस को बिल्कुल भी पसंद नहीं थी पर वह लोगों के हालात को देखते हुए गुस्से में डॉक्टर को थप्पड़ लगा दिया था, थप्पड़ लगने के पीछ एसपी का फोन ना उठाना भी वजह थी, एसपी नाराज भी इसलिए हुए की जब मेरा फोन नहीं उठ रहा है तो फिर आम आदमी का क्या उठता होगा, यह थप्पड़ सार्वजनिक नहीं था पर इस की चर्चा आम थी, इस थप्पड़ की बात भी इसलिए दब गई थी क्योकि इस थप्पड़ के उजागर होने से डॉक्टर साहब की ही फजीहत होनी थी, आईपीएस ने जो थप्पड़ लगाया था वह मानवता के नजरिए से सही भी माना जा रहा था। खैर यह घटना सिर्फ चर्चाओं व सुर्खियों में रहा पर इस घटना का वीडियो या चित्र वायरल नहीं हुआ यही कारण था कि यह घटना प्रमाणित नहीं हो सकी।

आईपीएस का थप्पड़ आरक्षक को

हाल फिलहाल में सरगुजा के एक और जिले में एक आईपीएस ने अपने ही आरक्षक को एक छोटी सी गलती पर थप्पड़ जड़ दिया और कुछ ज्यादा ही मारपीट कर दी यह भी चर्चा का विषय है पर वीडियो वायरल ना होने की वजह से यह भी प्रमाणित नहीं है, पर विशेष सूत्रों की मामने तो चर्चा एक कान से दूसरे कान तक पहुंच रही है घटना तकरीबन डेढ़ माह पुरानी बताई जा रही है पर यह मामला तूल पकड़ता हुआ इसलिए नहीं नजर आ रहा है क्योंकि आरक्षक अपने आईपीएस अधिकारी से लड़ पाने में सक्षम नहीं था, थप्पड़ मामूली बात पर पड़ा था विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईपीएस के बच्चे जो अकेले बाहर आ रहा था उस आरक्षक ने बस इतना कह दिया की बच्चे अकेले मत जाओ मम्मी पापा के साथ जाना है बच्चे ने जाकर क्या बताया यह तो पता नहीं पर आईपीएस महोदय आरक्षक को इतनी सी बात पर थप्पड़ जड़ दिया, पर आरक्षक अपने मान सम्मान के साथ समझौता करके मामले को दवे रहने देना ही उचित समझा, जबकि उसके साथियों ने उसे कहा भी कि इसकी शिकायत कर दो कार्यवाही होगी पर आरक्षक ने इतनी हिम्मत नहीं जुटा पाई और अपने मान सम्मान से समझौता कर आईपीएस को जिले में बने रहने का मौका दे दिया, पर यदि यह घटना घटी है तो आईपीएस साहब को उस आरक्षक का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि उसने उनसे बड़ा अपना दिल दिखाया और मामले को दबा दिया।

अमृत सरोवरो में मानक अनुसार कार्य ना पाए जाने पर होगी कड़ी कार्यवाही:डॉ आशुतोष

- संवाददाता -
कोरिया 07 जून 2023 (घटती-घटना)।

जल संचय के परम्परागत स्रोत से प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ने और जलसंचय का उन्नत तरीके से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए अमृत सरोवर योजना लागू की गई है। इसके लिए कम से कम एक एकड़ भूमि के तालाब बनाए जा रहे हैं या नवीकरण के लिए चयनित किए गए हैं। प्रत्येक निर्माण एजेंसी उसकी गुणवत्ता और मानक के अनुसार निर्माण पूर्ण कराएं ताकि आने वाली बारिश में प्रत्येक अमृत सरोवर में बड़ी मात्रा में जल संचय किया जा सके। यदि इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही पाई जाती है तो संबंधितों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उक्ताशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कुशहा ग्राम पंचायत में निर्मित अमृत सरोवर के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। आज सीईओ जिला पंचायत ने जनपद पंचायत सोनहत के अंतर्गत ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिषा-निर्देष जारी किए। भ्रमण के दौरान अमृत सरोवर निरीक्षण के बाद जिला पंचायत सीइओ ने कहा कि अमृत सरोवर अभियान के तहत बन रहे नवीन तालाबों में पानी के आने के लिए इनलेट और ज्यादा होने पर निकासी के लिए आउटलेट मानक के अनुसार बनाएं और सभी पुराने तालाबो के सुधार कार्य के साथ ही इनलेट में सिल्ट ट्रेप भी जरूर बनाएं। इससे तालाबों को अनावष्यक गंदगी के भराव से रोका जा सकेगा। ग्राम पंचायत कुशहा के लक्षणा बहरा तालाब के किनारे फ्लैग पोस्ट बनाए जाने और सरोवर तट पर नए पौधों को लगाने के लिए उपयुक्त स्थल पर गड्ढे तैयार करने के निर्देश भी दिए। इसके पूर्व जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत सोनहत के अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत घुघरा और कुशहा स्थित रीपा गौठान का भी निरीक्षण किया। यंहा समूह की महिलाओं से बातचीत कर उन्हें प्रत्येक आजीविका कार्य को व्यावसायिक दृष्टिकोण से करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को सभी उपकरणों को सुचारू रूप से चलाने और आवश्यकता के अनुसार संबंधितों के प्रशिक्षण के लिए के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ के निरीक्षण भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत के अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत सचिव और सम्बंधित हितग्राही उपस्थित रहे।

एक व्यक्ति 2 पद का दावेदार कैसे ?:केवल सिंह मरकाम

- संवाददाता -
एमसीबी 07 जून 2023 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिला अध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा जिला कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर के पदभार पर नयनतारा सिंह तोमर पर उठाए सवाल केवल सिंह मरकाम का कहना है मनेंद्रगढ़ से एसडीएम का ट्रांसफर खड़गवां राजस्व विभाग में किया गया है।

लेकिन यहां कार्यालय में नियम की धज्जियां उड़ाते हुए डिप्टी कलेक्टर का पदभार एवं खड़गवा एसडीएम का पदभार देना कहीं ना कहीं शासन-प्रशासन अपनी मनमानी करते हुए नजर आ रहे हैं एमसीबी जिला कार्यालय में नियम पूर्वक कार्य नहीं हो रहा, हम जैसे प्रार्थी आवेदन देने वाले आवेदकों का क्या होगा? एक व्यक्ति 2 पद का दावेदार कैसे हैं। प्रेस मीडिया के माध्यम से जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। नयनतारा सिंह तोमर एसडीएम राजस्व विभाग खड़गवां नियुक्त किया गया है। क्या जिला डिप्टी कलेक्टर पद दिया जाना उचित है? हम जैसे लोगों को नौकरी मिल नहीं रही है जिन्हें शासन के तरफ से प्रशासन का उच्च अधिकारी बनाया गया है। इसके बावजूद भी डिप्टी कलेक्टर का पदभार देना शासन प्रशासन के कार्य प्रणाली पर सवाल उठता है। जनता के पैसे का भरपूर दुरुपयोग कर चूना लगाने का कार्य किया जा रहा है।

सेक्टर मॉजा मे हुआ सुपोषण चौपाल का आयोजन

- संवाददाता -
रामानुजनगर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

> सुपोषण से संबंधित गतिविधियों की दी गई जानकारी

जिले को कुपोषण से मुक्ति दिलानें के लिए शासन के द्वारा जारी निर्देश पाकर जिले के उच्च अधिकारियों के आदेश पर सभी परियोजनाओं के आंगनबाड़ी केन्द्रों मे सुपोषण चौपाल का आयोजन करने को सुनिष्चित किया गया हैं इसी क्रम मे आज परियोजना रामानुजनगर के सेक्टर मॉजा मे सुपोषण चौपाल का आयेजन किया गया हैं जिसमे आंगनबाड़ी केन्द्रो से लांभान्वित बच्चे, गर्भवती माताओं, धात्री महिला सहित किशोरी बालिकाओं को प्रदर्शन के माध्यम से लक्ष्य सुपोषण से '' सुपोषण पाठशाला व्यवहार परिर्वतन से सुपोषण की ओर'' का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित हितग्राहियों को विटामिन ए से होने वाली लाभ के विषय में जानकारियां प्रदान किया गया साथ ही विटामिन की कमी से होने वाली समस्याओं के बारे मे विस्तार से बताया गया और विटामिन ए की कमी को किस प्रकार से दूर किया जा सकता है। इस दौरान सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती एमरेन्सिया कुजूर के द्वारा उपस्थित आ.बा.कार्यकताओं , माताओं, धात्री महिलाओं एवं बच्चों को आंगनबाड़ी के माध्यम से दिये जाने वाले सुविधाओं के बारे मे विस्तार से बताया गया इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकता , सहायिका सहित अनेक आंगनबाड़ी से लाभन्वित हितग्राही व ग्रामीण उपस्थित थें।

बूथ जीतो खुद जीतो और अपनी सरकार बनाओ:योगेश लाम्बा

भाजपा कोरिया का संयुक्त मोर्चा सम्मेलन सम्पन्न

- संवाददाता -
कोरिया बैकुंठपुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश आह्वान पर और भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में कोरिया भाजपा के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से लोकसभा संयोजक योगेश लाम्बा एवं चंपादेवी पावेल, पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े, जिला संगठन प्रभारी प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जिला संगठन सहप्रभारी परमेश्वरी राजवाड़े, विधानसभा प्रभारी चिंटू राजपाल के उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई।

जिसमें भाजपा जिला पदाधिकारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष/महामंत्री, सभी मोर्चा के प्रभारी, सभी मोर्चा के जिला अध्यक्ष/जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, सभी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष/महामंत्री/मंडल पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे।कोरबा के पूर्व महापौर व कोरबा लोकसभा प्रभारी योगेश लांबा के द्वारा उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को बतौर चुनावी तैयारियों और पार्टी के मुख्य उद्देश्य तथा लक्ष्य को अवगत कराते हुए बूथ सशक्तिकरण सहित समस्त मोर्चों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से रुबरू होकर उन्हें बूथ और शक्ति केंद्रों में अपनी भूमिका को तेज करने कहा गया। पन्ना प्रमुख को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य कराने सहित सभी कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित मतदाताओं को साथ लेकर बूथ स्तर से लेकर मोहल्लों वार्डों तक मतदाताओं को केंद्र सरकार की संचालित योजना के विषय में बताकर भारतीय जनता पार्टी के जनहितकारी योजनाओं, लाभ और नीतियों से अवगत कराएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की बूथ जीतो खुद जीतो और सरकार बनाओ,जैसे मूल मंत्रो पर कार्य करने की प्रेरणा दिए और वहीं चिंटू राजपाल के द्वारा अब तक बूथ स्तर सहित समस्त मोर्चों के दायित्व और पार्टी संबंधी किए गए कार्यों की समीक्षा ली गई और उपस्थित सभी मोर्चों के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को आगे की जिम्मेदारी को दुरुस्त करने कहा गया। साथ ही जमीनी स्तर पर पार्टी संबंधित दायित्य निर्वहन का समुचित जायजा लिया गया।

वेदांता एल्यूमिनियम की प्रतिबद्धता का किया सम्मान

» एनवायर्नमेंटल प्रोडक्ट डिक्लेरेशन (ईपीडी) सर्टिफिकेशन ने सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग में सर्वोच्च औद्योगिक मानकों की प्राप्ति हेतु

- संवाददाता -
कोरबा, 07 जून 2023 (घटती-घटना)।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने घोषणा की है कि उन्होंने अपने उत्पादों के लिए एनवायर्नमेंटल प्रोडक्ट डिक्लेरेशन (ईपीडी) इंटरनेशनल सत्यापन प्राप्त किया है। कंपनी के उत्पादों की यह रेंज वैश्विक एल्यूमिनियम उद्योग की सबसे व्यापक रेंज में से एक है। वेदांता एल्यूमिनियम के उत्पाद कड़ी परीक्षा से गुजरते हैं जिसे 'लाइफ साइकल असैसमेंट' कहते हैं। वेदांता के बुनियादी एल्यूमिनियम उत्पादों ने ऊर्जा खपत, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, पानी के इस्तेमाल व कचरा उत्पन्न करने की कसौटियों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग विधियां उत्कृष्ट हैं और कंपनी ने अपनी पूरी एल्यूमिनियम मूल्य श्रृंखला में सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए ग्रीन इनोवेशन किए हैं।

एनवायर्नमेंटल प्रोडक्ट डिक्लेरेशन (ईपीडी) एक मानकीकृत एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्य दस्तावेज है जो किसी उत्पाद की पर्यावरणीय परफॉरमेंस के बारे में एक पारदर्शी और वैज्ञानिक तौर पर सत्यापित सूचना प्रदान करता है। यह एक विस्तृत लाइफ साइकल असैसमेंट (एलसीए) पर आधारित होता है और उत्पाद के पूरे जीवन चक्र के दौरान उसके द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करता है जिनमें कच्चे माल निष्कर्षण, मैन्युफैक्चरिंग, इस्तेमाल और उसके जीवन अंत में निपटान शामिल होते हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम द्वारा उत्पादित प्राथमिक एल्यूमिनियम उत्पाद जिन्हें ईपीडी द्वारा सत्यापित किया गया है उनमें बिलेट्स, प्राइमरी फाउंड्री अलॉय, वायर रॉड्स और इंगॉट्स की सभी श्रेणियां शामिल हैं। इन सभी उत्पादों के महत्वपूर्ण उद्योगों में हाई-ऐंड ऐप्लीकेशंस होते हैं जैसे एयरोस्पेस, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिकल व पैकेजिंग इनके अलावा नए उभरते उद्योगों में भी इनका इस्तेमाल हो रहा है जैसे हाई-टैक् मैन्युफैक्चरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी टेक्नोलॉजीस, इलेक्ट्रिक वाहन आदि। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की वैश्विक थीम है #BeatPlasticPollution (प्लास्टिक प्रदूषण को परास्त करें)। एल्यूमिनियम में मजबूती, हल्का वज़न, ज़ंग रोधी और अनंतकाल तक रिसाइकिल किए जा सकने वाले गुण हैं और साथ ही यह प्लास्टिक का व्यावहारिक विकल्प भी है।

इस प्रमाणन पर वेदांता लिमिटेड में एल्यूमिनियम बिज़नेस के सीईओ राहुल शर्मा ने कहा कि यह दुनिया तेजी से सस्टेनेबल तरीकों की तरफ बढ़ रही है, ऐसे में एल्यूमिनियम उद्योग उल्लेखनीय वृद्धि एवं नवाचार के लिए तैयार है। न्यून-कार्बन वाले भविष्य की रीढ़ के तौर पर एल्यूमिनियम के असाधारण गुणों में ऊर्जा परिवर्तन के लिए असीम संभावनाएं हैं और इस काम में वेदांता एल्यूमिनियम एक प्रमुख सुगमकर्ता है। ईपीडी प्रमाणन इसका परिचायक है की दुनिया भर में अपने ग्राहकों को सस्टेनेबल उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए हम कितने समर्पित हैं। हमारी हमेशा कोशिश रहती है की इनोवेटिव और पर्यावरण के प्रति जागरुक व्यापार विधियां विकसित करें। हमारी कोशिशें दर्शाती हैं की हम एक संवहनीय भविष्य की रचना हेतु समर्पित हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम को एस एंड पी डाउ जोंस सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स की वर्ल्ड रैंकिंग के तहत एल्यूमिनियम उद्योग में वित्तीय वर्ष 2022 के लिए दूसरा स्थान प्रदान किया गया, यानी की आज दुनिया की यह दूसरी सबसे सस्टेनेबल एल्यूमिनियम उत्पादक है। देश भर में अपने विश्वस्तरीय एल्यूमिनियम स्मेल्टर्स, एल्यूमिना रिफाइनरी और पावर प्लांट्स के साथ कंपनी हरित भविष्य के लिए विभिन्न कार्यों में एल्यूमिनियम के प्रयोग को बढ़ावा देने और इसे 'भविष्य की धातु' के रूप में पेश करने के अपने मिशन को पूरा करती है।

जल्के सर्किल के जंगल को बनाया खदान, 620 बोरी कोयला वन विभाग ने किया जब्त

- संवाददाता -
कोरबा,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज अंतर्गत वन विभाग की जमीन में स्थित रानीअटारी नाला से माफियाओं द्वारा कोयले का अवैध उत्खनन कर उसे तस्करी के लिए बोरी में भरकर जंगल में छिपाकर रखा गया था जिसे वन विभाग की टीम ने जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की है । साथ ही इस पूरे मामले में वन विभाग के कुछ कर्मचारी भी सकते में हैं, जिनके बारे में अधिकारियों को कई ठोस सूचना प्राप्त हुई है। सूत्रों के मुताबिक डीएफओ कटघोरा प्रेमलता यादव को सूचना मिली थी कि उनके डिविजन अंतर्गत आने वाले पसान रेंज के जल्के सर्किल में स्थित रानी अटारी नाला से कोल माफियाओं द्वारा कोयले का अवैध उत्खनन कर बड़े पैमाने पर तस्करी की जा रही है। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है। वर्तमान में माफियाओं ने फिर कोयले का अवैध उत्खनन कर इसे सीमेंट बोरी में भरकर तस्करी के लिए नाले के पास स्थित जंगल में छिपा रखा है। मुखबिर से मिली

सूचना को गंभीरता से लेते हुए डीएफओ ने पसान रेंजर रामविलास दहायत, डिप्टी रेंजर उज्जैन सिंह पैकरा एवं उडनदस्ता प्रभारी धर्मेन्द्र चौहान के नेतृत्व में वन विभाग की टीम गठित की और उसे जांच व कार्रवाई के लिए रवाना किया। टीम जब जांच-पड़ताल के लिए मौके पर पहुंची तो वहां के जंगल के कक्ष क्रमांक पी-198 में बड़ी मात्रा में कोयला से भरी बोरी मिली जो लावारिस स्थिति जंगल में छिपाकर रखा गया था । जब इसकी गिनती की गई तो कोयले से भरी बोरी की संख्या 620 बोरी के लगभग निकली। अवैध उत्खनन होने से रानीअटारी नाला के समीप स्थित इस क्षेत्र में बड़ा गड्ढा बन गया है और मिनी खदान का रूप ले लिया है। वन विभाग की टीम ने जंगल में छिपाकर रखे गए इस कोयले को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी तो नही हुई है लेकिन यह हरकत कोल माफियाओं की होने की संभावनाओं को देखते हुए जांच जारी रखी गई है एवं जब्त कोयले को पसान रेंज कार्यालय परिसर लाया गया है। वन विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई से उन कोल माफियाओं में हड़कंप व्याप्त है, जो क्षेत्र में सक्रिय है और कोयले की अवैध तस्करी के कारोबार में लिप्त है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जिस कोयला को घने जंगल से जब्त किया गया है, उसकी मात्रा बहुत ज्यादा है और यह पूरा काम एक-दो दिन में नहीं हो सकता। अगर ऐसा मान लिया जाए कि माफियाओं के द्वारा यह हरकत की गई है तो वन विभाग का मैदानी अमला नींद में है या फिर अपने काम के प्रति रुचि एवं जिम्मेदारी नहीं लिया जा रहा है यह समझने की बात होगीद्द द्य ऐसे पहले भी दो-तीन मौके पर इस इलाके में इस तरह की गतिविधियां सामने आ चुकी हैं।

खिलाड़ियों को कलेक्टर ने किया प्रोत्साहित

» 09 से 12 जून तक भुवनेश्वर,उड़ीसा में भाग लेने जिले के खिलाड़ी हुए रवाना

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार संस्कृत मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइन्स भुवनेश्वर के सहयोग से अनुसूचित जनजातीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 खेल प्रतियोगिता तथा 18 जनजातीय डेमोस्ट्रेशन गेम्स का आयोजन 09 से 12 जून 2023 को भुवनेश्वर (उड़ीसा) में किया जा रहा है। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 25 मई 2023 को बहतराई स्टेडियम बिलासपुर में किया गया, जिसमें तीरंदाजी, फुटबॉल एथलेटिक्स, हॉकी, खो-खो, रग्बी स्वीमिंग, वॉलीबाल व योगासन खेल सम्मिलित थे। चयन ट्रायल में जिले के 07 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर हेतु किया गया है। फुटबॉल बालक वर्ग में रोहित कुमार सिंह व विकास सिंह, व्हॉलीबाल बालक वर्ग में महेन्द्र प्रताप सिंह, धनेश्वर सिंह, बालिका वर्ग में प्रियंका सिंह, शीतल सिंह पूजा पैकरा का चयन हुआ है तथा खिलाडियों के साथ ऑफिसियल्स के रूप में जाने हेतु दिनेश साहू प्रधान पाठक, शा. प्रा. शाला बारनवापारा को नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर सभी चयनित खिलाड़ियों को कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संयुक्त कार्यालय में बॉलीबाल व फुटबॉल प्रदान कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित करते हुये अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सूरजपुर एस.डी.एम. रवि सिंह, रामानुजनगर एस.डी.एम. नन्दजी पाण्डेय, प्रतापपुर एस.डी.एम. श्रीमती दीपिका नेताम, भैयाथान एस.डी.एम. सागर सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियंका गुप्ता, सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी, सूरजपुर तहसीलदार सुश्री वर्षा बंसल, प्रतापपुर तहसीलदार प्रतीक जायसवाल, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, जिला क्रीडा सहायक शरदेन्द्. कुमार, शुक्ल, एस.ई.सी.एल. कर्मचारी व जिला वॉलीबॉल सचिव राजनाथ गुप्ता, विवेक पैकरा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगवान भोले नाथ व परशुराम जी की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई

- संवाददाता -
सूरजपुर, 07 जून 2023 (घटती-घटना)।

विप्र समाज द्वारा निर्मित शिव परशुराम मन्दिर के मूर्ति स्थापना के तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन भगवान भोले नाथ व परशुराम जी की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई जिससे पूरे दिन परशुराम धाम आचार्यो के मंत्रों से पूरा धाम गुंजायमान रहा। पूजा अर्चना के बाद भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।शोभा यात्रा के दौरान भजन कीर्तन का दौर भी चलता रहा।शोभा यात्रा परशुराम धाम से शुरू होकर माता कर्मा चौक, मेनरोड हनुमान मंदिर से महँगाव चौक से होते हुए वापस परशुराम पहुँचा। शोभा यात्रा में

अम्बिकापुर, कोरिया सहित जिले भर से बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे। रात में रतजगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें पूरी रात चले भजन में श्रद्धालु मग्न रहे।

परशुराम चौक .....!

दूसरी ओर नमदगिरी रिंग रोड में परशुराम चौक पर विधिवत पूजा अर्चना कर परशुराम चौक का बोर्ड लगा कर नामकरण किया गया।इस दौरान भी बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

आज समापन व भंडारा

तीन दिवसीय कार्यक्रम का आज समापन होगा इसके पहले भगवान भोलेनाथ,माता पार्वती,गणेशजी की व भगवान परशुराम जी मूर्ति स्थापना करी जाएगी।ततपश्चात भण्डारे व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

जिला चिकित्सालय में गर्भाशय मुख कैंसर का ईलाज प्रारंभ

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह, वरिष्ठ विशेषज्ञ सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. के.एल. धुव एवं जिला नोडल अधिकारी एन.सी.डी. डॉ. दीपक जायसवाल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिला चिकित्सालय में गर्भाशय मुख कैंसर, के संभावित लक्षण वाले जैसे सफेद पानी आना, कमर में दर्द होना, मासिक धर्म का बार-बार आना, पेट के निचले हिस्से में दर्द होना, 45 वर्ष से अधिक होने के बाद भी रक्तस्त्राव होने जैसे समस्त मरीजों का VIA/VILI जॉच की जा रही है जो कि गर्भाशय मुख के कैंसर के प्रारंभिक अवस्था का पता लगाया जाता है। इसी तारतम्य में जिले के समस्त संस्थानों में माह मई 2023 में 482 मरीजों का VIA जॉच की गई थी। जिसमें से 08 धनात्मक पाए गए जिसमें 03 मरीजों का आज जिला चिकित्सालय में थर्मल एब्लेशन मशीन के माध्यम से ईलाज किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह वरिष्ठ विशेषज्ञ सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. के.एल. ध्रुव, डॉ. गरिमा सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. दीपक जायसवाल एवं सुश्री वर्षा एक्का उपस्थित थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने समस्त लोगों से अपील किया है कि गर्भाशय मुख कैंसर के संभावित मरीज अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर निःशुल्क जॉच करा सकते है।

जनदर्शन में लोगों की समस्या देख कलेक्टर के आदेश से लगा खण्ड स्तर पर जनदर्शन शिविर

- संवाददाता -
रामानुजनगर ,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

जिला मे लगने वाले जनदर्शन में दूर दराज से आने वाले फरियादियों की तकलीफ व समस्याओं को समझते हुए जिला के कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय सीमा की बैठक में जिला के समस्त ब्लाक मुख्यालयों मे एस.डी.एम व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नेतृत्व मे शिविर का आयोजन के निर्देश पर विकास खण्ड रामानुजनगर मे एस.डी.एम नंदजी पाण्डेय व संजय कुमार राय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामानुजनगर के द्वारा राजस्व प्रकारणों के निपटरा करने के लिए जन दर्षन का आयोजन किया गया था जिसमे अनेको गॉव से पहुचे फरियादियों की समस्यओं से रूबरू होते हुए अनके द्वारा दिये आवेदन पत्रों का अवलोकरन करते हुए उन्हें आष्वस्त किया कि समस्या का निराकरण जल्द से जल्द किया जावेगा। दूर दराज के आये हुए फरियादियों के द्वारा भूमि सीमांकन, राजस्व अभिलेखों मे त्रुटि सुधार, बैंक में नॉमिनी सुधार व भुगतान सहित नाना प्रकार के समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्राप्त हुए जिन्हें संबंधित विभागों को सौपते हुए उन्हे यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गये साथ ही उन्होने फरियादियों को अवगत कराया गया कि अब प्रत्येक सोमवार को जनपद स्तर पर जन दर्शन का आयोजन करे समस्यओं को निराकरण अनुभाग स्तर किया जावेगा।

अब आयोजित होगा प्रत्येक सोमवार , मिलेगा सुविधा का लाभ

खण्ड मुख्यालय स्तर पर होने वाले जनदर्शन के संबंध मे जब फरियादियों से पुछा गया तो उनके द्वारा जबाब दिया गया कि अब निश्चित तौर पर समस्याओं के लिए जिला मुख्यालय नही जाना होगा जिससे उन्हे अपने समस्याओं का समाधान समय पर मिलेगा साथ ही अब उन्हे अपनी समस्याओं को लेकर जिला में भी नही जाना होगा इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा।

निगम महापौर के जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में

- संवाददाता -
कोरबा,07 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा नगर निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाणपत्र की जांच को लेकर एक बार पुनः विपक्ष पार्षद दल हल्लाबोल करने को है तैयार । कोरबा नगर निगम के भाजपा पार्षद दल ने भाजपा जिला संगठन के साथ मिलकर निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद के फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन में हो रही देरी को लेकर जिलाधीश कोरबा को ज्ञापन सौंपा है । जिसमें उन्होंने कहा की 12 फरवरी 2021 को महापौर राजकिशोर प्रसाद के द्वारा कूटनीतिक तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की शिकायत कलेक्टर कार्यालय स्थित जिला स्तरीय जाति प्रमाण सत्यापन समिति में की गई थी पर आज तक यह प्रकरण लंबित है। इस दौरान बताया गया के वर्तमान महापौर जिस वार्ड से पार्षद चुनाव लडे थे वह वार्ड पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था पर

उन्होंने कूट रचना कर झूठा जाती प्रमाणपत्र बनाकर चुनाव आयोग को झूठा हलकनामा दिया जिसके सत्यापन की जांच के लिए पिछले ढाई साल पहले जिला स्तरीय जांच समिति को जांच के लिए आवेदन किया गया था जो आज तक लंबित है । इस विषय को लेकर बार बार जिले के कलेक्टर को भी अवगत कराया गया तथा जांच को पूर्ण करने के लिए निवेदन भी किया गया पर अब तक जांच पूर्ण नहीं हो पाया इससे लगता है कहीं न कहीं छत्तीसगढ़ शासन का दबाव प्रतीत होता है जिस कारण अब तक जांच के नतीजे नही आ सके । इससे पूर्व दिनांक 16 मई 2023 को पत्र प्रस्तुत कर सात दिवस के भीतर प्रकरण की जांच पूरी करने की बात कही गई थी अन्यथा आंदोलन के मार्ग से न्याय पाने हेतु पत्र भी प्रेषित किया गया था परंतु अब तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही हुई है जिसके बाद भाजपा पार्षद दल एवं भाजपा जिला संगठन के द्वारा पुनः जिले के कलेक्टर को पत्र देकर जल्द से जल्द कार्यवाही करने की मांग की गई है और यदि जाति प्रमाणपत्र झूठा निकलता है तो उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना होगा ऐसा नहीं होने पर भाजपा पार्षद दल एवं भाजपा जिला संगठन एक साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे । इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव सिंह एवं अन्य जिला पदाधिकारी, भाजपा पार्षद दल से नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, विकास अग्रवाल, रितु चौरसिया, नरेंद्र देवांगन, बुधवार साय, गोलू पांडे, चंद्रलोक सिंह, सकुंदी यादव, द्रोपदी वर्मा, निखिल शर्मा, अजय गौड़, गंगाराम भारद्वाज, नर्मदा लहरे, लोकेश्वर चौहान, पुराइन बाई, भानुमति जयसवाल, धनश्री साहू, कविता नारायण सिंह, तरुण राठौर, प्रभावती चौहान, सुफल दास, उर्वशी राठौर, शैल कुमारी राठौर, पुष्पा कंवर, विजय साहू, ममता बाली, कमला बरेठ, नारायण दास महंत, फिरत साहू, अमित मिंज पार्षदगण उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा.छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.202305021700061/ अ-27/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामलाल आ0 स्व0 रेन्हा सभी निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम रजपुरीखुर्द स्थित भूमि खसरा नं0 20/2, 305/2,306, 308/1, 309, 349/1, 387/1, 387/12,405/3, 632/66, 652/22, 654/52 कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 1.768 हे0 भूमि का अनावेदक भारत राम आ0 स्व0 रेन्हा, जाति कंवर, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता बटवारा कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपतित हो तो पेशी दिनांक 09/06/2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा.छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.202305021700060/ अ-27/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामलाल आ0 स्व0 रेन्हा सभी निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम देवगढ़ स्थित भूमि खसरा नं0 19,41/2, 124/2, 384 कुल खसरा नंबर 04 कुल रकबा 0.5880 हे0 भूमि का अनावेदक भारत राम आ0 स्व0 रेन्हा, जाति कंवर, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता बटवारा कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपतित हो तो पेशी दिनांक 09/06/2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

अल्कारेज और नोवाक जोकोविच की होगी सेमीफाइनल में भिड़ंत

पेरिस ,07 जून 2023। टेनिस की दुनिया में, समय-समय पर नई प्रतिभाएं उभरती हैं उन प्रतिभाओं में से एक हैं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज, जिन्होंने छह जून को खेले गए मुकाबले में पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सितसिपास को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया है। अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कारेज का मुकाबला नोवाक जोकोविच से होगा।

गौरतलब है कि दो बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 11वीं सीड रुस के कैरन खाचानोव को हराया था। इस मुकाबले में पहला सेट नोवाक जोकोविच हार गए थे मगर इसके बाद उन्होंने मुकाबले में शानदार वापसी की थी। इस मुकाबले में उन्हें कैरन खाचानोव से कड़ी टक्कर मिली थी। इस मुकाबले के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा था कि पहले दोनों सेटों के दौरान कैरन ने बेहतर खेल दिखाया था। शुरुआती दो सेटों के दौरान मुझे अपनी लय ढूंढने में संघर्ष करना पड़ा था। इस दौरान मैंने कुछ गलतियां की थी। मगर दूसरे सेट के टाई ब्रेक में वापसी करने के बाद जीतना मुश्किल नहीं रहा था।

पुरुष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त कैस्पर रुड भी लगातार दूसरे साल अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। पिछले साल के इस उपविजेता ने निकोलस जैरी 7-6 , 7-5, 7-5 से मात दी। इससे पहले रविवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने इटली के लॉरेंजो मुसेटी को सीधे सेट में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीय अल्कारेज ने इटली के 17वें वरीय मुसेटी को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। सितंबर में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने वाले 20 साल के अल्कारेज क्वार्टर फाइनल में पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सितसिपास से भिड़ेंगे। दो बार के ग्रैंडस्लैम उप विजेता सितसिपास ने क्वालीफायर सबेस्टियन ओफनर को 7-5, 6-3, 6-0 से हराया। अल्कारेज अगर सितसिपास को हरा देते हैं तो सेमीफाइनल में उनकी भिड़त नोवाक जोकोविच से हो सकती है जिन्होंने रिकॉर्ड 17वीं बार फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने जुआन पाब्लो वारिलास को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। अक्टूबर में बच्चे के जन्म के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेल रही यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने नौवें नंबर की दारिया कसात्किना को 6-4, 7-6 से हराकर महिला एकल के अंतिम आठ में जगह बनाई। स्वितोलिना ने मैच के बाद रूस की विरोधी से हाथ नहीं मिलाया और इसकी जगह 'थंब्स अप' किया। दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध के कारण स्वितोलिना ने ऐसा किया। अनास्तिासिया पावलुचेनकोवा और केरोलिना मुचोवा भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। पावलुचेनकोवा ने 28वीं वरीय एलिस मर्टेन्स को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया जबकि मुचोवा ने एलिना अवानेस्यान को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी।

ऐसा रहा महिलाओं का मुकाबला

अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने पहले सेट के दौरान लगी घुटने की चोट से उबरते हुए अन्ना करोलिना शमीडलोवा को सोमवार को यहां 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। गॉफ इस मुकाबले के पहले सेट में 5-2 से आगे चल रही थी लेकिन 100वीं रैंकिंग की खिलाड़ी शमीडलोवा ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 5-5 कर दिया। गॉफ इसके बाद फिसल कर गिर गयी जिससे उनका दायां घुटना छिल गया। उन्होंने पट्टी बांध कर मैच में वापसी की और दमदार खेल के साथ सेट जीता। दूसरे सेट में शमीडलोवा उनके सामने असहज नजर आयी। गॉफ के सामने क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक की चुनौती हो सकती है। स्वियातेक चौथे दौर के मैच में लेसिया सुरेंको से भिड़ रही है। महिला वर्ग में ओंस जाबूर और 14वीं वरीयता प्राप्त ब्राजील की बीट्रिज हद्दाद माइया भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। अंतिम आठ में ये दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे के सामने होंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त जाबूर ने बर्नाडा पेरा को सीधे सेटों में पराजित किया। ट्यूनीशिया की जाबूर ने अमेरिका की गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पेरा को 6-3, 6-1 से हराया। उन्होंने आठ बार पेरा की सर्विस तोड़ी। जाबूर ने 16 में से 15 अंक पेरा की दूसरी सर्विस पर बनाए। पिछले साल विंबलडन की उपविजेता जाबूर पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। जाबूर को भी अपनी सर्विस पर संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह 12 ब्रेक प्वाइंट में से आठ को बचाने में सफल रही। इस बीच उन्होंने पेरा की 33 सहज गलतियों का भी फायदा उठाया। हद्दाद माइया ने रैंकिंग में 132वें स्थान पर काबिज सारा सोर्रिबेस टोरमो को तीन घंटे 51 मिनट तक चले मैच में 6-7, 6-3, 7-5 से हराया। वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

सेमीफाइनल में जगह बनाने लिए भारत को ड्रॉ की जरूरत

काकामिगाहारा,07 जून 2023। प्रतियोगिता में अब तक अजेय रहा भारत गुरुवार को यहां चीनी ताइपे के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के अपने अंतिम पूल मैच में सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगा। भारत ने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 22-0 से रौंदने के बाद मलेशिया को कड़े मुकाबले में 2-1 से हराया। अपने पिछले पूल मैच में भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद कोरिया को 2-2 से बराबरी पर रोका। भारत टीम पूल ए में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीनी ताइपे के खिलाफ ड्रॉ भी उसके लिए पर्याप्त होगा।

मुमताज खान और दीपिका ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए काफी गोल किए हैं जबकि दीपिका सोरेंग ने भी प्रभावित किया है। दीपिका ने अब तक टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच में गोल दागा है लेकिन टूर्नामेंट जब अपने अंतिम चरण की ओर से बढ़ रहा है तब भारत किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता। भारतीय कप्तान प्रीति ने कहा, ''टूर्नामेंट अब तक हमारे लिए अच्छा रहा है क्योंकि हमने कोई मैच नहीं गंवाया है। मलेशिया और कोरिया के खिलाफ मुकाबले करीबी रहे लेकिन इसने हमें अपनी क्षमता साबित करने का मौका दिया क्योंकि दोनों ही मैच में हमने पिछड़ने के बाद वापसी की।'' हाल के फॉर्म को देखते हुए भारत को चीनी ताइपे को हराने में अधिक मशक्कत नहीं करनी चाहिए। चीनी ताइपे ने अब तक तीन में से सिर्फ एक मैच जीता है और वह पूल ए में पांच टीम के बीच तीन अंक के साथ चौथे स्थान पर चल रहा है।

मुचोवा और सबालेंका फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

पेरिस ,07 जून 2023। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवा ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल मे अपने-अपने मुकाबले जीतकर पहली बार सेमीफाइनल की टिकट पक्की की जहां दोनों खिलाड़ी गुरुवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगी। सबालेंका ने यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-4 से मात दी जबकि गैरवरीय मुचोवा ने 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे है। इससे पहले रोलां गैरां में दोनों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था।

यूक्रेन की खिलाड़ी स्वितोलिना ने मैच गंवाने के बाद बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वी से हाथ नहीं मिलाया। उनकी इस हरकत का दर्शकों के एक वर्ग ने शोर मचाकर विरोध किया। बेलारूस ने यूक्रेन हमले पर खुल कर रूस का समर्थन किया है। सबालेंका ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। इस से पहले खेले गये मुकाबले में मुचोवा के खिलाफ पावलुचेनकोवा के खेल पर थकान हावी रहा। उनका पिछला मुकाबला तीन घंटे से अधिक चला था।

उन्होंने मुकाबले के दूसरे सेट में आसानी से घुटने टेक दिये। पहले सेट में मुचोवा को टक्कर देने के बाद पावलुचेनकोवा ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की। उन्होंने कुछ दमदार मैदानी शॉट लगाये लेकिन 1-4 से पिछड़ने के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया। मुचोवा दो साल पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

सिंधू और प्रणय सिंगापुर ओपन से बाहर

किदांबी श्रीकांत अगले राउंड में पहुंचे

सिंगापुर,07 जून 2023। सिंगापुर ओपन में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। भारत को थोड़ी खुशी किदांबी श्रीकांत ने दी। उन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन को सीधे गेम में 21-15 21-19 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो और चीनी ताइपे के चियो हाओ ली के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

हारीं पीवी सिंधु

गत चैंपियन पीवी सिंधू को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को कड़ी चुनौती पेश करनी पड़ी। हालांकि इस कड़ी चुनौती के बाद भी वो जीत हासिल नहीं कर सकी। एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में तीन गेम में 21-18 19-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी। वह पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन के भी पहले दौर में हार गईं थी। मलेशिया मास्टर्स के रूप अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे प्रणय के पास युवा कोडाई नेरोका की चुनौती का कोई जवाब नहीं था। जापान के तीसरे वरीय खिलाड़ी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-15 21-19 से जीत दर्ज की। प्रणय इस मुकाबले में युवा कोडाई नारोका के सामने नहीं टिक सके। उन्हें 56 मिनट में कोडाई नेरोका ने मात दे दी। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी हालांकि लुकास कार्वी और रोनान लबार की जोड़ी को पहले दौर के मुकाबले में 21-16 21-15 से हराने में सफल रही।

इंग्लैंड का एशेज क्रिकेट से प्रेम संबंध है:स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन,07 जून 2023। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि इंग्लैंड का एशेज श्रृंखला के साथ ÷प्रेम संबंध है। इंग्लैंड 16 जून से शुरू होने वाली प्रतिष्ठित एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा। ÷आप एशेज से जोर नहीं हटा सकते क्योंकि यह हमारी सबसे बड़ी श्रृंखला है। आपको केवल अंतिम वर्ष में सर्विस स्टेशनों के माध्यम से ड्राइविंग करनी होगी और यह है आओ दोस्तों, ऑस्ट्रेलिया को हराओ - हमारे देश का एशेज क्रिकेट से प्रेम संबंध है।, लेकिन एक संगठन के रूप में, हमें अपनी मानसिकता को अपनी नौकरी खोने वाले कर्मियों से दूर करना होगा यदि परिणाम उस तरह से नहीं गए जैसा आप उन्हें चाहते हैं, ब्रॉड ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से कहा। पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में आयरलैंड पर इंग्लैंड की दस विकेट की जीत में पहली पारी में पांच विकेट लेकर, ब्रॉड ने स्ट्राइक गेंदबाज के रूप में अपनी स्थायी क्षमता दिखाई। वह जानते हैं कि इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि उन्होंने अगले सप्ताह श्रृंखला के पहले गेम के लिए शुरुआती लाइनअप में होने के लिए पर्याप्त किया है, विशेष रूप से जेम्स एंडरसन, ओली रॉबिन्सन और मार्क वुड के साथ एजबेस्टन में रिकॉल की दौड़ में।

मुझे लगता है कि हम पिछले 12 महीनों में वास्तव में स्वस्थ तरीके से रहे हैं, उन्होंने कहा। एशेज का उल्लेख पहली बार आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद के डिब्रीफ में किया गया था, और यह था इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिणाम क्या हैं जब तक हम जिस तरह से खेलते हैं उससे चिपके रहते हैं। जब तक हमारे बच्चे देख रहे हैं और वाह यह अविश्वसनीय है कह रहे हैं, तो हमने अपना काम कर दिया है।

लॉर्ड्स में लैथवेट वाइन के प्रायोजक कार्यक्रम के दौरान ब्रॉड ने कहा, ÷मैं इस समय बस इधर-उधर बह रहा हूं।÷ मैं वास्तव में खुश हूं कि मेरा क्रिकेट कैसा है, जीवन कैसा है। मैं फिट महसूस करता हूं, मैं तरोताजा महसूस करता हूं। चाहे मैं एजबेस्टन में खेलूं, चाहे मैं लॉर्ड्स, हेडिंग्ले में खेलूं ... मुझे कोई आपत्ति नहीं है, मैं वास्तव में अच्छा खेलता हूं। उन सभी को।

ब्रॉड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना पसंद है क्योंकि उन्होंने 35 मैचों में 29.05 की औसत से 131 विकेट लिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। मुझे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना पसंद है, और चाहे वह पहला टेस्ट हो, पांचवां टेस्ट हो, तीसरा ... गेंदबाज, और हमें एशेज जीतने के लिए 100 विकेट लेने होंगे। लेकिन मेरा अंतिम उद्देश्य फिट और तरोताजा रहना और द ओवल में खेलना है, क्योंकि यह पांचवां है, और इसका मतलब है कि मैंने अपना काम किया है समूह, उन्होंने आगे कहा।

इंग्लैंड पुरुषों की एशेज टेस्ट टीम॰ बेन स्टोक्स (डरहम) कप्तान, मोइन अली (वार्विकशायर), जेम्स एंडरसन (लंकाशायर), जोनाथन बेयरस्टो (यॉर्कशायर), स्टुअर्ट ब्रॉड (नॉटिंघमशायर), हैरी ब्रूक (यॉर्कशायर), ज़क क्रॉली (केंट), बेन डकेट (नॉटिंघमशायर), डैन लॉरेंस (एसेक्स), ओली पोप (सरे), मैथ्यू पॉट्स (डरहम), ओली रॉबिन्सन (ससेक्स), जो रूट (यॉर्कशायर), जोश टंग (वॉस्टरशायर), क्रिस वोक्स (वारविकशायर), मार्क वुड (डरहम)

संन्यास लेने के दो साल बाद फिर टेस्ट क्रिकेट खेलते दिखेंगे मोईन अली

लंदन,07 जून 2023। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए एक खुशखबरी है। टेस्ट क्रिकेट से सन्यास ले चुके मोइन अली ने अपना टेस्ट क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। इस फैसले को वापस लेने के बाद जल्द ही मोईन अली टेस्ट मुकाबले में खेलते नजर आएंगे। मोईन अली अब एशेज सीरीज में खेलते दिखेंगे।उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज के मद्देनजर ये फैसला किया है। इस सीरीज के लिए मोईन अली अब टीम के साथ जुड़ गए है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में भारत दौरे के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। हालांकि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम द्वारा इस फैसले पर विचार करने की विनती के बाद मोइन अली ने अपना फैसला वापस ले लिया है। मोईन अली को चोटिल स्पिनर जैक लीच की जगह टीम में शामिल किया गया है। इमोईन अली के टेस्ट क्रिकेट में लौटने के संबंधित खबर की पुष्टि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी कर दी है।

बाएं हाथ के स्पिनर लीच पीठ दर्द के कारण एशेज से बाहर हो गए। इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बुधवार को जारी बयान में कहा'' हमने इस सप्ताह के शुरू में मोईन अली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास वापस लेने के लिए संपर्क किया। मोईन टीम से जुड़ने और फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हैं।'' आईपीएल 2023 की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे मोईन अली ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट के रूप में अपना आखिरी मैच भारत के खिलाफ सितंबर 2021 में ओवल में खेला था। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ लार्ड्स में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। मोईन ने अभी तक 64 टेस्ट मैचों में 28.29 की औसत से 2914 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उनके नाम पर 195 विकेट दर्ज हैं।

एशेज के लिए इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है॰ बेन स्टोक्स (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जोश टोंग, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

मैं अपने एक्टिंग स्किल को आगे बढ़ाना चाहता हूं : राघव जुयाल

एक्टर-डांसर राघव जुयाल का शेड्यूल बेहद बिजी है। वह एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं और खुद को बेहतरीन कलाकार के तौर पर साबित कर रहे हैं। सलमान खान स्टारर किसी का भाई किसी का जान के बाद वह एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा, वह ऑस्कर पुरस्कार विजेता सिख एंटरटेनमेंट की दो प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं।

इस बारे में बात करते हुए, राघव ने कहाः मैंने फैसला लिया कि मैं अपने एक्टिंग स्किल्स को आगे बढ़ाना चाहता हूं। मैं किसी भी इंडस्ट्री से दूर नहीं गया, लेकिन एक क्राफ्ट पर फोकस करना चाहता हूं। एक्टिंग, जिसे मैं हमेशा से करना चाहता था। उन्होंने आगे कहाः अपने आखिरी टीवी अपीयरेंस के बाद मैंने पॉज लिया। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुझे अद्भुत फिल्म निर्माताओं और कुछ रोमांचक परियोजनाओं के साथ काम करने का मौका मिला। बैक-टू-बैक पांच फिल्मों के लिए शॉट, काम बहुत अच्छा रहा है, क्योंकि यह वही है जो मैं करना चाहता था और मुझे खुशी है कि यह सब अब शेप ले रहा है।

थमने का नाम नहीं ले रहा रकुल प्रीत सिंह का सेक्सी अवतार

समुंद्र किनारे उसका लुक देख आहें भर रहें फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस हर वक्त अपने फैशन स्टेटमेंट से लोगों को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपना वेकेशन मालदीव में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं से एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट अंदाज में फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रकुस प्रीत की बोल्डनेस देख कर लोगों की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों मालदीव में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने वेकेशन के दौरान अपनी बेहद ही सेक्सी बिकिनी फोटोज पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने रेड कलर की बिकिनी पहनी हुई है, जिसमें वो सुपरबोल्ड नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह अपनी इन फोटोज में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए हॉट पोज दे रही हैं।ओपन हेयर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत अपनी इन तस्वीरों में किलर अंदाज में ग्लैमरस अंदाज से लोगों के दिलों पर खंजर चला रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस समुद्र के किनारे मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने पोस्ट के दौरान लगातार अपने फैंस से जुड़ी हुई हैं। हालांकि फैंस को भी उनकी तस्वीरें बेहद पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस रकुल की इन तस्वीरों पर 4 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने लाइक कर दिया है।

अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए 'मिजार्पुर 3' में आ रही ईशा तलवार

एक्ट्रेस ईशा तलवार फिलहाल 'मिजार्पुर 3' का इंतजार कर रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, तो दिलचस्प ड्रामे के अलावा किसी और चीज की उम्मीद न करें। एक्ट्रेस माधुरी यादव की भूमिका में हैं। सीजन 3 में वह मुन्ना भैया की पत्नी के रूप में नजर आएंगी और अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए गुड्डू पंडित (अली फजल) और गोलू गुप्ता (श्वेता त्रिपाठी शर्मा) से मुकाबला करेंगी।

ईशा ने कहा॰ माधुरी यादव, जैसा कि हमने पहले ही मिजार्पुर सीजन 2 में देखा था, कालीन भैया से सत्ता लगभग छीन ली थी, जिसका किरदार पंकज त्रिपाठी ने निभाया था।

जब आप शो में इस तरह के एक महत्वपूर्ण किरदार को देखते हैं, तो ड्रामा के अलावा कुछ भी उम्मीद न करें। यह अगला भाग शो के करीब एक और कहानी के लिए छोड़ा जा सकता है क्योंकि मुन्ना की मौत के बारे में दर्शक अभी भी भ्रमित हैं, मैं इसे व्यक्तिगत अनुभव से जानती हूं।

वह हाल ही में होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'सास बहू और फ्लेमिंगो' में नजर आई थीं। 'सास बहू और फ्लेमिंगो' में सावित्री के किरदार में डिंपल कपाड़िया भी हैं, जो एक ड्रग कार्टेल चलाती हैं, और उनकी बहु अंगिरा धर और ईशा व बेटी राधिका मदान द्वारा समर्थित है।

इस शो में नसीरुद्दीन शाह, आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल, मोनिका डोगरा और जिमित त्रिवेद भी हैं। यह वर्तमान में डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग है।

चिटफंड घोटाले में लगातार हो रही है कार्रवाई

» निवेशकों को अब तक 33.44 करोड़ रूपए की धनराशि वितरित

» निवेशकों का पैसा वापस दिलाने वाला छत्तीसगढ़ देश का एकमात्र राज्य

रायपुर,07 जून 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की जनता से किए गए अपने वायदे को निभाते हुए चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश में अनियमित वित्तीय कंपनियों (चिटफंड कंपनियों) एवं उनके संचालकों के खिलाफ लगातार कार्रकाई की जा रही है जिसके फ्लस्वरुप पीड़ितों को उनका डूबा हुआ पैसा वापस मिल रहा है। अधिक ब्याज और जल्दी रकम दोगुनी करने के झांसे में आकर हजारों लोगों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई गंवा दी थी। अब उन निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है क्योंकि ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों को कुर्क कर निवेशकों का डूबा हुआ पैसा वापस दिलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में नई सरकार के गठन पश्चात् सरकार ने चिटफंड कंपनियों के संचालन को राज्य में पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजन के दौरान चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वाले निवेशकों को राशि लौटाई है। देश में छत्तीसगढ़ ही एकमात्र राज्य है जो निवेशकों को उनका पैसा वापस दिला रहा है। चिटफंड कंपनियों की नीलामी से 33 करोड़ 44 लाख 77 हजार 743 रुपए की राशि निवेशकों को वापस लौटाई जा चुकी है।

कुल 465 प्रकरणों में चिटफंड कंपनियों के 690 डायरेक्टर्स और पदाधिकारी गिरफ्तार

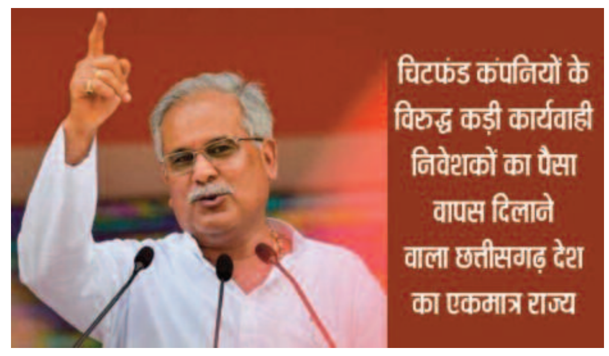

चिटफंड के दर्ज प्रकरण की जानकारी

छत्तीसगढ़ में 209 अनियमित वित्तीय कंपनियों के विरुद्ध कुल 465 प्रकरण दर्ज किये गये हैं। 401 प्रकरणों में चालान तैयार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जा चुका है। 06 प्रकरण में खात्मा और 03 प्रकरण में खारजी हुई है। 55 प्रकरण पुलिस में विवेचनाधीन है। दर्ज 465 प्रकरणों में कुल 690 डायरेक्टर्स व पदाधिकारियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। 64 प्रकरणों में 37 कंपनियों की सम्पत्तियों की नीलामी , वसूली , राजीनामा से 55 करोड़ 98 लाख 90 हजार 866 रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

चिटफण्ड के संबंध में प्राप्त आवेदन पत्रों की स्थिति

जिला दण्डाधिकारी कार्यालयों में कुल 25 लाख 68 हजार 05 आवेदन पत्र जमा किये गये है। प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुल 4 लाख 54 हजार 324 आवेदन पत्र निराकृत हो गए हैं, शेष 20 लाख 95 हजार 407 आवेदन पत्रों के निराकरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

पीड़ितों की धन वापसी की स्थिति

46 प्रकरणों में 38 कंपनियों से 33 करोड़ 44 लाख 77 हजार 743 रुपये की धनराशि निवेशकों को वितरित की गई है। 29 प्रकरणों में 21 कंपनियों से 22 करोड़ 54 लाख 13 हजार 123 रुपये की राशि सरकारी खाते में जमा है जिनके वितरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

31 प्रकरणों में 17 कंपनियों की सम्पत्ति अनुमानित कीमत 24 करोड़ 82 लाख 30 हजार 233 रुपये की न्यायालय के अंतिम आदेश उपरांत नीलामी कार्यवाही कलेक्टर्स के पास प्रक्रियाधीन है। 95 प्रकरणों में कुल 80 करोड़ 81 लाख 21 हजार 99 रुपये की सम्पत्ति की कुर्की का अंतिम आदेश माननीय न्यायालय द्वारा जारी किया गया है। 137 प्रकरणों में चिन्हांकित सम्पत्ति जिसकी अनुमानित कीमत 678 करोड़ 68 लाख 63 हजार 423 रूपये है, जिसमें से राज्य के भीतर 116 करोड़ 63 लाख 95 हजार 262 रुपये तथा राज्य के बाहर 562 करोड़ 04 लाख 68 हजार 161 रुपये की अनुमानित कीमत की सम्पत्ति की कुर्की के अंतरिम आदेश हेतु कलेक्टर्स के पास प्रक्रियाधीन है।

इसी तरह से 51 प्रकरणों में चिन्हांकित सम्पत्ति जिसकी अनुमानित कीमत 138 करोड़ 95 लाख 68 हजार 986 रुपये है, जिसमें से राज्य के भीतर 107 करोड़ 99 लाख 31 हजार 586 रुपये तथा राज्य के बाहर 30 करोड़ 96 लाख 34 हजार 400 रुपये की अनुमानित कीमत की सम्पत्ति की कुर्की के अंतिम आदेश हेतु माननीय न्यायालय में प्रक्रियाधीन है।

महापौर एजाज ढेबर को एक और बड़ी जिम्मेदारी

» बनाया गया एआईसीएम का उपाध्यक्ष

रायपुर,07 जून 2023 (ए)। महापौर एजाज ढेबर को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। महापौर एवं परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष माधुरी अतुल पटेल ने महापौर ढेबर को अखिल भारतीय महापौर परिषद का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। जिसपर सभापति, एमआईसी सदस्यों ने महापौर को बधाई दी।

नगर पालिका निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने कहा, मेरे से पहले छत्तीसगढ़ से कोई और काउंसिल का उपाध्यक्ष नहीं बना है। मेरा सौभाग्य है मैं धन्यवाद देता हूं। काउंसिल में देश भर के 450 महापौर हैं। 450 महापौर में से 10 महापौर को लेकर काउंसिल बनाई गई है। मैं पहले भी काउंसिल में रहा हूं। जिस विश्वास और भरोसे से मुझे यह पद दिया गया है, उसमें मैं खरा उतरने का पूरी कोशिश करूंगा।

हमारी प्राथमिकता यही रहेगी कि, सबसे पहले प्रधानमंत्री से मिलकर सभी महापौरों का कार्यकाल एक जैसे करने इसके लिए मांग किया जाएगा। किसी जगह तीन साल है, तो किसी का एक साल तो कही पांच साल, तो सभी जगह पांच साल कार्यकाल करने की मांग किया जा रहा है।

अब तक जो नगर पालिका निगम के अधिकारियों का सर्विस बुक लिखने का अधिकार महापौर लोगों को नहीं है। सर्विस बुक लिखने का अधिकार महापौर को देने की मांग है। सभी जगह कम से कम निगम कमिश्नरों को दो साल रखने की मांग है क्योंकि नगर निगम में जन्म से लेकर मृत्यु तक का काम होता है ऐसे में इसको समझना आसान नहीं होता है, इसलिए कार्यकाल निश्चित करने के लिए हमारी मांग है, जिसे हम प्रमुखता से उठाएंगे।

अखिल भारतीय महापौर परिषद में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर एजाज ढेबर को सभापति प्रमोद दुबे सहित छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष एवं निगम लोक कर्म विभाग अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, एमआईसी सदस्य अंजनी राधेश्याम विभार, द्रोपती हेमन्त पटेल, सर्वश्री कुमार मेनन, नागभूषण राव, समीर अख्तर, सतनाम सिंह पनाग, अजीत कुकरेजा,आकाश तिवारी, सुन्दर लाल जोगी, सहदेव व्यवहार, सुरेश चन्नावार, जितेन्द्र अग्रवाल ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

सभापति सहित एमआईसी सदस्यों ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉक्टर शिव कुमार डहरिया के मार्गदर्शन में रायपुर नगर पालिक निगम एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के माध्यम से रायपुर शहर को अत्यंत तेज गति से सुन्दर स्मार्ट राजधानी का स्वरूप महापौर एजाज ढेबर की अगुवाई में मिल रहा है। अखिल भारतीय महापौर परिषद में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में महापौर एजाज ढेबर की नियुक्ति राजधानी के तेज विकास की दृष्टि से भी प्रसन्नतादायक है। महापौर एजाज ढेबर के नेतृत्व में रायपुर में विगत दिनों हुआ अखिल भारतीय महापौर परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का तीन दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक किया गया था, जिसे देश भर में सराहना प्राप्त हुई।

21 जून को समारोह पूर्वक मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आयोजन की तैयारियों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

रायपुर, 07 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। प्रदेश के शहरों और गांवों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके माध्यम से 'हर घर आंगन योग' के संदेश को प्रोत्साहित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ योग-आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहरों और गांवों के प्रमुख स्थल पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी के साथ सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 मनाने के लिए सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के प्रदर्शन की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही आंगनबाड़ी और वृद्धाश्रम, सार्वजनिक उपक्रमों, शासन के सभी विभागों के प्रमुख स्थानों में भी योग के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा योग के संबंध में जन-जागरूकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अस्पताल, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों, पुलिस स्टेशन, बस स्टेशन जैसे सार्वजनिक संस्थान पर और पंचायत, नगरपालिका, नगरनिगम आदि में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बैनर प्रदर्शित किए जाएंगे।

राज्य शासन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियों, प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्य शासन के विभिन्न विभागों, संस्थाओं, निकायों एवं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से आवश्यक समन्वय एवं क्रियान्वयन हेतु समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ के अपर संचालक पंकज वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग में आज होगी बड़ी बैठक

रायपुर, 07 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जहां राजनीतिक दलों की सरगर्मियां तेज हो गई हैं तो वहीं अब राज्य निर्वाचन आयोग ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इसे लेकर कल एक बड़ी बैठक होने वाली है, जिसमें आला अधिकारी शामिल होंगे।

सूत्रों ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने कल एक महत्पूर्ण बैठक रखी है। इस बैठक में राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा होने की बात कही जा रही है। बैठक में सभी जिलों के निर्वान अधिकारियों के साथ ही केन्द्रीय निर्वाचन आयोग के अधिकारी भी शामिल होंगे। इसके अलावा जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों को भी इस बैठक में शामिल होने का निर्देश दिए जाने की सूचना है।

सभी अधिकारियों के समक्ष विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियां शुरू करने पर चर्चा होगी। इसके अलावा निर्वाचन से जुड़े अन्य सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा किया जाएगा।

राज्य के आठ जिलों में हीट वेव का अलर्ट

रायपुर, 07 जून 2023 (ए)। भीषण गर्मी से बेहाल छत्तीसगढ़वासियों को अब रिमझिम फुहारों के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में हीट वेव (लू) चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि राज्य के जांजगीर-चांपा, रायगढ़, महासमुंद, बलौदाबाजार, कांकेर (पश्चिम), रायपुर, दुर्ग और बेमेतरा जिलों के एक-दो स्थानों में ग्रीष्म लहर की स्थिति बन सकती है। यह चेतावनी आज बुधवार और गुरूवार 08 जून तक के लिए है। यलो अलर्ट जारी करते हुए मौसम विभाग ने इन जिलों में अत्यधिक तापमान रहने तथा हवा में नमी की मात्रा काफी कम रहने की संभावना जताते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल, पर झमाझम बारिश के लिए अभी और इंतजार

भीषण गर्मी से बेहाल प्रदेशवासियों को अभी झमाझम बारिश के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं, फिर भी इसके केरल तट पर पहुंचने की तिथि को लेकर संशय बना हुआ है।

आईएमडी (भारत मौसम विज्ञान विभाग) के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो गई हैं। आने वाले दो दिनों के भीतर यह तेजी से आगे बढ़ेगा और अरब सागर के काफी हिस्सों में सक्रिय हो जाएगा। इसके अलावा यह केरल, लक्षद्वीप के काफी निकट पहुंच जाएगा। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से यह बंगाल की खाड़ी में भी तेजी से आगे बढ़ेगा। फिलहाल मानसून पर नजर रखी जा रही है। जल्द ही इसके केरल तट पर पहुंचने की सटीक पूर्वानुमान जारी कर दिया जाएगा। आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अब परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही है। बताया जाता है कि अरब सागर की ओर से घने बादल केरल, लक्ष्यद्वीप की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इसके अलावा दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों और पूरे लक्षद्वीप क्षेत्र और मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए भी परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। इस लिहाज से आगामी दिनों में मानसून की रफ्तार संभवतः बढ़ सकती है और जल्द ही मानसून तटीय इलाकों से होते हुए आगे बढ़ेगी।

दो बड़े स्टील कारोबारियों के यहां आईटी की रेड

रायपुर,07 जून 2023 (ए)। आयकर विभाग की टीम ने आज शहर के दो बड़े स्टील कारोबारियों के निवास और कार्यालय में दबिश दी है। इसके अलावा राइस मिल के कारोबार से जुड़े कुछ और लोगों के घरों में आयकर की टीम द्वारा जांच-पड़ताल किए जाने की सूचना है।

सूत्रों की माने तो जिन दो बड़े स्टील कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की टीम ने दबिश दी है उनके यहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और सबूत हाथ लगने की बात कही जा रही है। बताया जाता है कि यहां से लाखों-करोड़ों के लेनदेन और आय छुपाने के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कारोबारियों के निवास शंकर नगर और खम्हारडीह में दबिश दिए जाने तथा इनके कार्यालयों में जांच-पड़ताल किए जाने की सूचना मिल रही है। इसके अलावा राइस मिल से जुड़े कुछ और कारोबारियों के यहां जांच-पड़ताल की सूचना मिल रही है। समाचार लिखे जाने तक कार्रवाई की विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई थी।

मैं ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे लोगों की जान को खतरा हो

शराबबंदी ही नहीं नशाबंदी भी होना चाहिएः सीएम बघेल

रायपुर,07 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी द्वारा निकाले गए घोटाले की बारात पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को कुछ काम देना पड़ेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में किसी प्रकार के घोटाले की गुंजाइश से इंकार किया है।

सीएम बघेल ने कहा कि मजदूर से लेकर व्यापारियों तक सभी के आय में हमने बढ़ोतरी की है। स्वास्थ्य, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में हमने कई काम किए हैं। नए स्कूल, कॉलेज और चार मेडिकल कॉलेज खुले हैं। पुराने स्कूलों को रिनोवेट किया जा रहा है। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि वे गोठान गाय नहीं वोट खोजने गए थे। राम उनके लिए वोट का माध्यम है। बीजेपी को उसके अलावा कोई मतलब नहीं है। शराबबंदी को लेकर सीएम ने कहा कि मैं कोई ऐसा काम नहीं करूंगा जिससे लोगों की जान को खतरा हो। मैं चाहता हूं कि शराबबंदी नहीं बल्कि नशाबंदी होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि गुड़ाखू, गुटका,गांजा जैसी सारी चीजें बंद होनी चाहिए और उसके लिए वातावरण बनाना चाहिए जब समाज में इस तरह से वातावरण बन जाएगा तो निश्चित रूप से नशाबंदी होगी।

सीएम ने कहा लॉकडाउन के समय रायपुर में सैनिटाइजर पीकर लोगों की मौत हुई। बिलासपुर में भी इसी तरह की घटना हुई। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमने कहा है तो उसे कर ही देना है। ये 1 दिन की बात है कि आज से शराब दुकान बंद कहना इसमें कोई समय नहीं लगता। लेकिन इसका इंपैक्ट समाज पर क्या होगा ये भी सोचना होगा। मैं खुद व्यक्तिगत रूप से चाहता हूं नशाबंदी होना चाहिए।

नक्सलियों ने सड़क निर्माण कार्य में लगे पांच वाहनों में की आगजनी

कांकेर ,07 जून 2023 (ए)। पखांजूर क्षेत्र के छोटेबेटिया थाना क्षेत्र अंर्गत ग्राम सितरम के आसपास सड़क निर्माण कार्य में लगे कुछ वाहनों को नक्सलियों ने आग लगा दिया है। बताया जाता है कि आगजनी में 5 वाहनें जलकर नष्ट हो गई है।

सूत्रों ने बताया कि नगर के आसपास नक्सलियों ने एक बार फिर से अपना आतंक बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस बार नक्सलियों ने छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के ग्राम सितरम के आसपास सड़क निर्माण कार्य में लगी गाड़ियों में आगजनी की है। नक्सलियों ने 5 गाड़ियों में आग लगाई है, इसमें 2 ट्रक, 1 पोकलेन, 1 रोड रोलर, 1 पानी टैंकर शामिल है। सभी गाड़ियां राजमुंडा से कोपेंनगुंडा में चल रहे सड़क निर्माण में लगी थी। पखांजूर एसडीओपी के अनुसार करीब 5 गाड़ियों में आगजनी की सूचना मिली है। अंदरुनी क्षेत्र होने के कारण ज्यादा जानकारी बाहर नहीं आ रही हैद्ध हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब नक्सलियों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया है, नक्सली सड़क निर्माण कार्य का विरोध करने के लिए आए दिन वाहनों में आगजनी करते हैं।

अधिकारियों पर भड़के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

पटवारी हड़ताल से आमजनों को न हो परेशानी

रायपुर,07 जून 2023 (ए)। विगत 15 मई से हड़ताल कर रहे पटवारियों के चलते अब शासकीय कामकाज भी चरमराने लगा है। इसे लेकर कल ही मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए आला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि काम प्रभावित न हो और आमजनों का काम प्रभावित न हो।

ज्ञात हो कि पटवारियों के हड़ताल के चलते सबसे ज्यादा परेशानी युवा वर्ग को हो रही है। इसके बाद आम मध्यमवर्गीय परिवारों को भी भारी मुसीबतें झेलनी पड़ रही है। युवा वर्ग और छात्र वर्ग जहां नए शिक्षण सत्र में प्रवेश लेने के लिए आय, जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भटक रहे हैं तो वहीं युवा वर्ग को भी कालेजों में प्रवेश के लिए कई दस्तावेजों की जरूरत होती है। यह दस्तावेज पटवारियों के माध्यम से ही बनाए जाते हैं। आय, जाति और मूल निवास जैसे दस्तावेज नहीं बन पाने के लिए छात्र और युवा वर्ग खासे बेहाल हैं। इसी तरह वर्तमान में जमीन-खरीदी-बिक्री के बाद नामांतरण, सीमांकन और भुईयां जैसे शासकीय पोर्टल में नाम दर्ज कराने के लिए भी लोगों को भटकना पड़ रहा है। पटवारियों के इस हड़ताल से राजस्व प्रभावित हो रहा है। इससे अलावा विभागीय कामकाज भी बुरी तरह से चरमरा गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पटवारियों के हड़ताल से आमजनों को हो रही परेशानियों को ध्यान में रखते हुए तत्काल आवश्यक उपाय किए जाएं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)